(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

प्रभास के राजा
डीलक्स में ...8

शनिवार, 26 फरवरी 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 68 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अमेठी पहुंचे राहुल और प्रियंका

मोदी सरकार पर जमकर साधा निशाना

अमेठी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इन सबके बीच आज राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रहे अमेठी के जगदीशपुर पहुंचे थे। अमेठी में राहुल गांधी ने किसानों के साथ–साथ रोजगार का मुद्दा उठाया और नरेंद्र मोदी के सरकार पर जमकर निशाना साधा। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश जानता है कि भारत के प्रधानमंत्री आकर वोट लेने के लिए कुछ भी बोल जाएंगे। पूरा देश जानता है कि नरेंद्र मोदी ने किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था और फिर तीन काले कघनून लागू किए। उन्होंने कहा कि इन कघनूनों का लक्ष्य था, कि जो आज किसानों को

मिलता हैं वह उनसे छीनकर भारत के सबसे बड़े 4–5 अरबपतियों को दे दिया जाएं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि जब भाजपा कहती है कि हमारे 70 वर्षों में कुछ नहीं हुआ, तो उनका वास्तव में मतलब था कि इन 70 वर्षों में अंबानी, अदानी के लिए कुछ नहीं हुआ... याद रखें, भारत के सबसे बड़े अरबपति रोजगार नहीं देते। छोटे दुकानदार, व्यापारी और किसान देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के रोजगार क्षेत्र की रीढ़ को पीएम नरेंद्र मोदी और उनके दोस्तों ने तोड़ा है। आप देखेंगे कि आने वाले समय में इस देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा, आप जितना चाहें, उन्हें पढ़ाएं। ब्रटप्फ के दौरान किसी ने मेरी नहीं सुनी, लेकिन आपने गंगा में शव देखे। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि इन 5 सालों में कितनों को रोजगार मिला है? इन्होंने जो जानबूझकर 12 लाख सरकारी पदों को खाली रखा है उसे हम सबसे पहले भरेंगे। इसकी हमने पूरी लिस्ट बनाई हुई है। इसके अलावा हम 8 लाख नए रोजगार देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें आवारा पशुओं की समस्या के बारे में नहीं पता, 5 साल से क्या कर रहे थे? उन्हें यूक्रेन में युद्ध की जानकारी है, उन्हें ब्रटप्फ के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की खांसी के बारे में पता था, लेकिन उन्हें किसानों की इस समस्या का पता नहीं था? लोगों से अपील करते हुए प्रियंका ने कहा कि आप (सार्वजनिक) अपनी परिस्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। आप भटक जाते हैं और आंखें बंद करके वोट करते हैं। आपका वोट एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बुद्धिमानी से चुनें क्योंकि आपको अगले 5 वर्षों तक पछताना पड़ सकता है। यह आपके विकास का समय है।

चुनाव प्रचार में उतरीं जया बच्चन, भाजपा पर कसा तंज, कहा– ये झूठ के सिवाय कुछ नहीं बोलते

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार लगातार जारी है। अब तक चार चरण के चुनाव हो चुके हैं। पांचवें चरण के लिए वोटिंग 27 फरवरी को होगी। पांचवें चरण के लिए आज प्रचार का आखिरी दिन है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के नेता और फिल्म अभिनेत्री जया बच्चन चुनावी प्रचार में सिराथू पहुंचे थीं। आपको बता दें कि सिराथू से उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य चुनाव लड़ रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने अनुप्रिया पटेल की बहन पल्लवी पटेल को चुनावी मैदान में उतारा है। सिराथू में जया बच्चन ने योगी आदित्यनाथ और भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा और झूठ बोलने का आरोप लगाया। जया बच्चन ने कहा कि ये भूल जाते हैं कि आपके जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं उन्होंने तो परिवार को त्याग दिया है। वे परिवार के बारे में क्या जानते हैं। वे क्या जानते हैं बहू, बेटी क्या होती हैं। ये लोग झूठ के सिवाय कुछ नहीं बोलते। उन्होंने आगे कहा कि मैं 15 साल पार्लियामेंट में रहीं हूं, इन्होंने झूठ के सिवाय कुछ नहीं कहा है। जब ये सत्ता में है और जब ये सत्ता में नहीं थे, इन्होंने कभी भी महिलाओं की सुरक्षा के लिए

एक शब्द भी नहीं बोला। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर 11 लाख खाली पदों पर भर्ती नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर इन 11 लाख पदोंपर नौजवानों को नियुक्तियां दी जाएंगी। सपा पर योगी का तंजः योगी आदित्यनाथ ने चुनावी प्रचार के दौरान अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे ज्यादा परिवर्तन और क्या हो सकता है कि जो लोग पहले जेब में तमंचा रखकर राम भक्तों पर गोलियां चलाते थे, अब वे भी बजरंगबली का गदा लेकर घूम रहे हैं। सुल्तानपुर में योगी ने कहा कि अब तक 4 चरणों में हुए मतदान के रुझान बताते हैं कि विपक्ष के तमाम नेताओं ने अभी से विदेश भागने के लिए अपने टिकट 11 तारीख के लिए बुक करा दिए हैं।

मलिक की बर्खास्तगी की मांग पर राउत बोले- इस्तीफा स्वीकार या खारिज करना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार

मुंबई, धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार किए गए महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को बर्खास्त करने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मांग के बीच शिव सेना नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल के अपने किसी सहयोगी का इस्तीफा स्वीकार करना या अस्वीकार करना मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का विशेषाधिकार है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक कार्य मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता नवाब मलिक (62) को धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को गिरफ्तार किया था। मलिक को धन शोधन से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें तीन मार्च तक के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। मलिक की गिरफ्तारी के बाद से भाजपा उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रही है, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी ने इससे इनकार कर दिया है। महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की गठबंधन सरकार है। विपक्षी दल की मांग पर राउत ने पत्रकारों से कहा, केंद्र की सत्ता पर काबिज भाजपा राजनीतिक फायदे के लिए केन्द्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करती है और उसके जरिए हमारे मंत्रियों को गिरफ्तार करवाती है और फिर उनके इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदर्शन करती है। यह मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का विशेषाधिकार है कि वह इस्तीफा स्वीकार करें या अस्वीकार। राज्यसभा सांसद ने कहा, जैसे भाजपा राजनीति कर रही है, हम भी कुछ राजनीतिक कदम उठाएंगे।

शोपियां में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को किया ढेर

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ ऑल

आउट ऑपरेशन लगातार जारी है। इन सबके बीच जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। अपने आप में सुरक्षा बलों के लिए यह बड़ी कामयाबी है। पुलिस ने बताया कि शोपियां मुठभेड़ में 2 आतंकवादी मारे गए। इनके पास से हथियार और गोला–बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। यह मुठभेड़ दक्षिण कश्मीर में शोपियां जिले के अमशीपोरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर हुई। पहले सुरक्षाबलों ने वहां घेराबंदी की और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों पर गोलीबारी करने के परिणामस्वरूप यह तलाशी अभियान एक मुठभेड़ में तब्दील हो गया और जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके समूह के बारे में जानकारी जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बजट खर्च की निगरानी के लिए समिति बनाएगा रक्षा मंत्रालय: राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि रक्षा मंत्रालय अपने बजट खर्च की निगरानी के लिए तीनों सेवाओं के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाएगा ताकि इसका समय पर पूरा उपयोग हो सके। उन्होंने बजट से संबंधित एक वेबिनार के दौरान अपने भाषण में कहा कि इस बजट में आयात को कम करने और सशस्त्र बलों को स्वदेशी तकनीक से आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को और बल दिया गया है। सिंह ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि रक्षा मंत्रालय ने वेबिनार के दौरान

प्राप्त सभी मूल्यवान सुझावों को नोट कर लिया है और रक्षा क्षेत्र में आत्मानिर्भरता के उद्देश्य से बजट घोषणाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए एक कार्य योजना भी तैयार की है। उन्होंने कहा, रक्षा उद्योग के नेतृत्व में होने वाले अनुसंधान और विकास प्रयासों के लिये मैं 'मेक–1' के तहत वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान कम से कम पांच परियोजनाओं को मंजूरी दूंगा। मेक–1 श्रेणी के तहत परियोजनाओं में सरकार की ओर से 90 प्रतिशत वित्तपोषण किया जाता है। इस राशि को योजना की प्रगति और रक्षा मंत्रालय व विक्रेता के बीच बनी सहमति की शर्तों के आधार परचरणबद्ध तरीके से आवंटित किया जाता है। सिंह ने कहा, हम विशेष रूप से निजी उद्योग और स्टार्टअप के लिए निर्धारित बजट की निगरानी के उद्देश्य से तीनों सेवाओं के प्रतिनिधियों वाला एक निगरानी तंत्र तैयार करेंगे, ताकि इसका पूरी तरह से उपयोग किया जा सके। गौरतलब है कि ''मेक'' श्रेणी रक्षा खरीद की प्रक्रिया से संबंधित प्रावधान है जो सरकार के ''मेक इन इंडिया'' कार्यक्रम के तहत स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत बनाने से जुड़ा है। ''मेक'' श्रेणी के तहत दो उप श्रेणियां ... ''मेक–1'' और ''मेक–2'' हैं। ''मेक–1'' उप श्रेणी के तहत सरकार परियोजना का वित्तपोषण करती है जबकि ''मेक–2'' के तहत वित्तपोषण उद्योग करते हैं।

यूक्रेन में फंसे छात्रों को लाने का प्लान तैयार, कभी खाड़ी युद्ध में फंसे 1.7 लाख लोगों के लिए चलाया गया था दुनिया का सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन

यूक्रेन में 24 फरवरी को हुई घटनाओं ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया है। ताजा अपडेट के मुताबिक, रूस की सेना यूक्रेन की राजधानी कीव में भी दाखिल हो गई है। इससे पहले आज कीव पर छह बार मिसाइल अटैक हुआ था। यूक्रेन में रहने वाले भारतीयों की बड़ी आबादी के कारण संकट ऐसा है जिसे भारतीय नजरअंदाज नहीं कर सकते। इनमें अधिकतर युवा छात्र हैं। भारत सरकार के 2020 के आंकड़ों के अनुसार, यूक्रेन के विभिन्न विश्वविद्यालयों में लगभग 18,000 भारतीय छात्र पढ़ रहे हैं। यूक्रेनी सरकार का अनुमान है कि 2019 में देश में 80,000 अंतर्राष्ट्रीय छात्र थे जिनमें से लगभग एक चौथाई करीब 22.9 प्रतिशत भारतीय छात्रों की संख्या है। स्थिति बिगड़ने को देखते हुए भारतीय दूतावास लगातार भारतीय छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी करता रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत सरकार छात्रों का वहां से निकालने का हर संभव प्रयास कर रही है। भारतीय छात्रों को वापस लाने का पूरा प्लान भी मोदी सरकार की तरफ से तैयार कर लिया गया है। लेकिन बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब युद्ध के हालातों में छात्रों को रेस्क्यू कर लाने की कवायद की गई हो। इससे पहले खाड़ी

युद्ध के दौरान भी भारत की तरफ से डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को बचाकर सुरक्षित वतन वापस लाया गया था। पौने दो लाख भारतीयों को सुरक्षित निकाला गयाः अगस्त 1990 से शुरू होकर फरवरी 1991 तक चलने वाला खाड़ी युद्ध एक अंतरराष्ट्रीय संघर्ष था। तानाशाह सद्दाम हुसैन ने 2 अगस्त 1990 को अपने दक्षिण–पूर्वी पड़ोसी कुवैत पर कब्जा कर लिया, जो आकार में 25 गुना छोटा था। हर तरफ हथियारबंद इराकी गार्डों को देख कुवैत के स्थानीय लोगों में दशहत तारी हो गई, इनमें भारतीय समुदाय के लोग भी बड़ी संख्या में थे। जब दो अगस्त 1990 को खाड़ी युद्ध शुरू हुआ तो वहाँ फँसे पौने दो लाख भारतीयों को सुरक्षित निकालना एक बड़ी चुनौती थी।

एयर इंडिया की मदद से चलाया गया ये अभियान दुनिया का सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन माना जाता इस बात के आज तक कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिले हैं, उस अभियान को भारतीय विदेश मंत्रालय और कुवैत में मौजूद भारतीय दूतावास के अधिकारियों का सामूहिक प्रयास माना गया था। इस बात के आज तक कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिले हैं, उस अभियान को भारतीय विदेश मंत्रालय और कुवैत में मौजूद भारतीय दूतावास के अधिकारियों का सामूहिक प्रयास माना गया था। यूक्रेन से छात्रों को लाने का प्लानः विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि पोलैंड और हंगरी के रास्ते भारतीय छात्रों को वापस स्वदेश लाया जाएगा। हंगरी में बने भारतीय दूतावास के अफसरों को यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों और नागरिकों को निकालने के काम में लगाया गया है। अफसरों को निर्देशित किया गया है कि वे यूक्रेन में भारतीय दूतावास के साथ तालमेल करके वहां फंसे भारतीयों को पोलैंड और हंगरी के रास्ते भारत लाने का काम शुरू करें।

आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराएं अधिकारीः डीएम

बहराइच। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मतदान से 72 घण्टे पूर्व व्यय अनुवीक्षण तथा आदर्श आचार संहिता के पालन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने निर्वाचन की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त किये गये प्रभारी अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में निर्देश दिया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से सम्बन्धित प्रकरणों पर सतर्क दृष्टि बनाये रखें।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शान्ति अवधि हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों को पूरी संजीदगी के साथ लागू करें तथा आदर्श आचार संहिता तथा व्यय अनुवीक्षण हेतु गठित टीमों, स्टैटिक सर्विलांस टीमों को क्रियाशील रखा जाय तथा वाहनों इत्यादि की सघन जॉच भी की जाय। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि अन्तर्राष्ट्रीय तथा अन्तर जनपदीय सीमा पर विशेष चौकसी बरती जाय।

जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह को निर्देश दिया कि मतदान के दौरान कोविड–19 प्रोटोकाल के सम्बन्ध में आयोग द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। डीएम ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदान केन्द्रों पर दिव्यांगजन मतदाताओं के लिए ट्राईसाइकिलध्व्हीलचेयर व सहयोगी के सम्बन्ध में आवश्यक व्यवस्थाएं भी सम्पन्न करायी जायें। सभी अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान मतदाता पर्ची वितरण कार्य के बारे में भी लोगों से जानकारी प्राप्त करने के साथ–साथ लोगों को मतदान के लिए प्ररित भी किया जाय तथा मतदाताओं को ईपिक व आयोग द्वारा सुझााये गये विकल्पों के बारे में भी जानकारी प्रदान की जाय।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों यह भी निर्देश दिया कि शान्ति अवधि तथा मतदान के दिन आयोग को प्रेषित की जाने वाली सूचना के ससमय प्रेषण हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। डीएम डॉ. चन्द्र ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आयोग की मंशानुरूप वेबकास्टिंग के लिए भी सभी सम्बन्धित बूथों पर माकूल बन्दोबस्त किये जायें तथा मॉडल बूथों सहित अन्य सभी बूथों की पर्याप्त साफ–सफाई तथा अन्य प्रबन्ध भी सुनिश्चित कराये जायें।

डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि पोलिंग पार्टी में शामिल कर्मचारियों को इस बात का सुझाव दिया जाय कि मौसम के अनुरूप अपने साथ गर्म कपड़े तथा आवश्यक दवाएं इत्यादि अवश्य ले जायें ताकि उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व उपायुक्त एनआरएलएम को निर्देश दिया गया कि पोलिंग बूथों पर पहुॅचने वाली पोलिंग पार्टियों हेतु भोजन इत्यादि की व्यवस्था समय से कराना सुनिश्चित करें।

डीएम डॉ. चन्द्र व एसएसपी श्री चौधरी ने डीपीआरओ को निर्देश दिया कि मतदान केन्द्रों पर विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था अवश्य करायें ताकि देर शाम तक मतदान चालू रहने की दशा में कार्मिकों व मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाये। डीएम व एसएसपी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कानून एवं शान्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए गुड पुलिसिंग की व्यवस्था रहेगी। सभी अधिकारी व कर्मचारी बुलन्द हौसलों के साथ निर्भीक होकर अपने उत्तरदायित्वों का निवर्हन करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना, मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अशोक कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, उप जिलाधिकारी सदर सौरभ गंगवार आईएएस व न्यायिक सुभाष सिंह धामी, पयागपुर के दिनेश कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए अनिल कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन में दर्ज हुई पांच प्राथमिकी

गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र में की गयी कार्रवाही

अयोध्या। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिए कटिबद्व जिला प्रशासन द्वारा आचार संहिता उल्लंघन पर कार्रवाही में तेजी लाते हुये 276 गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र में जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय, प्रेक्षक गण एवं वरिष्ठ अधिकारियों अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल व रिर्टनिंग आफिसर्स की देखरेख में पुलिस विभाग एवं उड़न दस्ता की टीमों द्वारा सघन चेकिंग कर आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाही की जा रही है। जिसके तहत विगत दिनांक 23 फरवरी 2022 को देर रात्रि आचार संहिता उल्लंघन के पांच प्राथमिकी भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 एवं 171–एच के अन्तर्गत दर्ज की गयी। पहली प्राथमिकी थाना हैदरगंज में उप निरीक्षक दिवाकर कुमार द्वारा वाहन चालक मोनू मिश्रा के विरूद्व दर्ज करायी गयी, जो वाहन में दो हार्न व दो साउंड में डीजे व भारतीय जनता पार्टी के झंडे व पोस्टर लगाकर बिना अनुमति के प्रचार करते मौके पर पाया गया और उसके पास वाहन के दस्तावेज भी नही थे, जिसके तहत वाहन को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 207 में सीज कर दिया गया।

दूसरी प्राथमिकी थाना महराजगंज में सब इंस्पेक्टर मुन्नी लाल चौधरी द्वारा मनोज यादव व अभय सिंह के विरूद्व दर्ज करायी गयी, जो मयाबाजार तिराहा पर एक गाड़ी बजाज अप्पो तीन पहिया टैम्पो जिस पर पीछे चुनाव प्रचार का पोस्टर चिपका हुआ था।

मौके पर गाड़ी रोकी गयी तो टैम्पों में प्रचार सामाग्री दिखी जिस पर लिखा हुआ था कि विधानसभा चुनाव में विधानसभा क्षेत्र गोसाईगंज अभय सिंह को विधायक चुने अंकित था और पार्टी का झंडा भी गाड़ी पर बंधा हुआ था। गाड़ी के ऊपर दो हार्न व गाड़ी में एक मशीन रखी हुई पायी गयी। अधिक जानकारी करने पर वाहन चालक के पास मौके पर प्रचार की अनुमति नही पायी गयी, जिस पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुये वाहन को सीज किया गया। इसी क्रम में थाना हैदरगंज में प्रभारी मजिस्ट्रेट विन्धेश्वरी प्रसाद ने बहुजन समाज पार्टी एवं आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम खपराहडीह के पास बिजली पोल पर पार्टी का स्टीकर लगा पाया गया जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। जिसके क्रम में दो प्राथमिकी दर्ज की गयी। इसी तरह थाना हैदरगंज में प्रभारी मजिस्ट्रेट विन्देश्वरी प्रसाद द्वारा वाहनों की चेकिंग के दौरान आटो टैम्पो चालक द्वारा वाहन में दो हार्न व दो साउंड मय डीजे व विकासशील इंसान पार्टी के 07 झंडे व पोस्टर लगाकर प्रचार करता पाया गया, जिसकी अनुमति उसके पास मौके पर नही प्राप्त हुई, जिस पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुये प्राथमिकी दर्ज की गयी। जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि जनपद में धारा 144 लागू है तथा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किये जाने पर जनपद में नियुक्त उड़न दस्ते टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और दोषियों के विरूद्व कार्रवाही अमल में लायी जा रही है।

मतदाता की पहचान के लिए आयोग ने सुझाये 12 विकल्प

बहराइच। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार 27 फरवरी 2022 को होने वाले मतदान के दिन मतदान में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, परन्तु ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए निर्धारित किये गये 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा।

यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकोंध्डाकघरों द्वारा जारी किये गये फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्रध्राज्य सरकारध्लोक उपक्रमध्पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदोंधविधायकोंधविधान परिषद् सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड प्रस्तुत किये जा सकेंगे।

आयोग की ओर से यह भी सुझाव दिया गया है कि एपिक के सम्बन्ध में लेखन अशुद्धि वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजर अंदाज कर देना चाहिये, बशर्ते निर्वाचक की पहचान ईपिक से सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो कि किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया है, ऐसे एपिक भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किये जायेंगे, बशर्ते उस निर्वाचक का नाम, जहां वह मतदान करने आया है, उस मतदान केन्द्र से सम्बन्धित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना सम्भव न हो, तब निर्वाचक को उपरोक्त वैकल्पिक फोटो दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा।

जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. चन्द्र ने बताया कि उपरोक्त किसी भी बात के होते हुए भी प्रवासी निर्वाचक जो अपने पासपोर्ट में विवरणों के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20क के अधीन निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हैं, उन्हें मतदान केन्द्र में उनके मूल पासपोर्ट (तथा कोई अन्य पहचान दस्तावेज नहीं) के आधार पर ही पहचाना जायेगा।

मतदाता जागरूकता हेतु निकाली गयी पिंक रैली

अयोध्या।विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के अन्तर्गत आज जनपद अयोध्या में आगामी 27 फरवरी 2022 को आयोजित होने वाले महापर्व मतदान दिवस में रिकार्ड मतदान कराने के उद्देश्य से जनपद की महिलाओं द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के तहत राजकीय महिला इंटर कालेज सिविल लाइन से मण्डलायुक्त नवदीप रिणवा की पत्नी श्रीमती रितु रिणवा के नेतृत्व में तथा मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव के संरक्षण में महिला मतदाता जागरूकता हेतु पिंक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सभी महिलाएं गुलाबी साड़ियां और सलवार–सूट पहने थीं। स्कूटी सवार महिलाएं लोगों को जागरूक करने के लिए नारे लगाए। स्कूटी के पीछे बैठी महिलाओं के हाथ में मतदाता जागरूकता के स्लोगन लिखी तख्तियां थीं। पिंक रैली जीआईसी मैदान से शुरू होकर सिविल लाइन, कैंट, कनौसा, नियावां, अंगूरीबाग, घंटाघर, रिकाबगंज चौराहे से होते हुये जीआईसी में समाप्त हुई। मण्डलायुक्त की धर्मपत्नी श्रीमती रितु रिणवा ने पिंक रैली की महिलाओं को 27 फरवरी 2022 को होने वाले मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 27 फरवरी 2022 को रविवार के दिन अपने घरेलू व दैनिक कार्यो को छोड़कर सबसे पहले मतदान करें। साथ ही अपने घर के समस्त मतदाताओं को भी अपने मताधिकार का महत्व बताते हुये मतदान अवश्य करवायें। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रथम बार वोट कर रही महिला मतदाताओं से कहा कि यह अवसर आपको अपनी पसंद की सरकार चुनने का अवसर प्रदान करती है इसलिए सभी महिला मतदाताओं के साथ–साथ जनपद के समस्त मतदाता अपने–अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और इस विधानसभा चुनाव में रिकार्ड मतदान करके जनपद का शत प्रतिशत का लक्ष्य हासिल करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि महिला जागरूक होंगी तो देश जागरूक होगा।

सपा की रैली मे आजम खान का लगा कट आउट बना चर्चा का विषय

बहराइच।सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की रैली मे पहुंचे अधिकतर मुसलमानो में कुछ बाजमीर व कौम ओ मिल्लत का दर्द रखने वाले मुसलमानो ने कहा कि वोट मुसलमानो का और इस रैली मे मुसलमानो के हित की कोई बात नही यहां तक की अखिलेश ने मुसलमानो का ज्यादा नाम लेने और उनके मसायल को बयान करने से भी बचते रहे और कोई विशेष उनके हित की घोषणा नही की।इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि यह ऐतिहासिक चुनाव है।यह चुनाव जनता खुद लड़ रही है।शायद इसीलिए उन्होंने मुसलमानो को मंच से महत्व देना मुनासिब नही समझा। इस अवसर पर कुछ संजीदा मुसलमानो ने इस संवाददाता का इशारा रैली स्थल पर लगे पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव और उनके साथी आजम खान के कट आउट की तरफ करते हुए कहा कि आजम खान का पूरा परिवार लम्बे समय तक जेल मे रहा लेकिन समाजवादी पार्टी के नेताओ ने उनके लिए कोई आन्दोलन नही किया।लेकिन मुसलमानो को दिखाने और उनके वोट की लालच मे कट आउट जरूर लगवा दिया। इसके अलावा यह भी चर्चा बनी है कि सदर सपा प्रत्याशी शहर के मोहल्लो मे लोगो से मिलने से क्यों बच रहे है।

केडीए के सर्वर से गायब हुईं सारी डिजिटल फाइलों को रीस्टोर किया गया

कानपुर। केडीए के सर्वर से गायब हुईं सारी डिजिटल फाइलों को सेव कर लिया गया। लगभग 9 करोड़ पन्ने रीस्टोर किए गए। भविष्य में कभी ऐसा न हो इसके भी उपाय कर लिए गए हैं। इससे अफसरों ने राहत की सांस ली है। कुछ दिन पहले केडीए उपाध्यक्ष अरविंद सिंह के निर्देश पर अधिशासी अभियंता मनोज कुमार उपाध्याय ने एचपी समेत कई कंपनियों के सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को बुलाया। तभी से फाइलों को री–स्टोर का प्रयास हो रहा था। इसमें सफलता मिली। इस दौरान जिन लोगों ने रजिस्ट्री,नामांतरण,नक्शा और फ्री होल्ड को आवेदन किया था उनकी फाइलें नहीं मिलने से काम नहीं हो रहा था। रिपोर्ट तक नहीं लग पा रही थी। छह साल पहले केडीए ने भूखंडों की रजिस्ट्री से लेकर फ्री होल्ड तक में होने वाले फर्जीवाड़े से निजात के लिए 4.5 लाख फाइलों को स्कैन कर डिजिटलाइज्ड किया था। इसके सर्वर का रखरखाव एक्मे डिजिटेक के पास था। रखरखाव में लापरवाही हुई तो एक साल पहले भी तीन माह तक अधिकांश डिजिटल फाइलें गायब हो गई थीं। इस बार 9 करोड़ डिजिटल पेज ही गायब हो गए। कंप्यूटर प्रभारी ने फिलहाल अलग हार्ड डिस्क में भी इन पन्नों को सेव कर रखा है। यह डिस्क आलमारी में रखी जाएगी जो सील रहेगी।

कूड़े के ढेर में मिला बच्ची का भ्रूण

कानपुर। कल्याणपुर– पनकी रोड पर एक कूड़े के ढेर में बच्ची का भ्रूण मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को सील करवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटनास्थल के आसपास कई प्राइवेट हॉस्पिटल हैं। स्थानीय लोगों ने प्राइवेट हॉस्पिटल के कर्मचारियों द्वारा भ्रूण फेंके जाने की आशंका जताई है। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि बच्ची का भ्रूण लगभग 7 महीने का है। आसपास के प्राइवेट अस्पतालों के रजिस्टर चेक किए जा रहे हैं।

पागल सियार के काटने से पगलाया सांड़, मौत

भारी विशालकाय सांड को पटक–पटक कर मौके पर ही मार डाला

मिल्कीपुर–अयोध्या। पागल सियार के काटे जाने के बाद पागल हुए विशालकाय सांड़ ने एक भारी सांड़ को पटक–पटक कर मार डाला और कई ग्रामीणों पर भी धावा बोल दिया। हालांकि भारी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने पशुपालन विभाग एवं अग्निशमन कर्मियों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे वन कर्मियों एवं अग्निशमन कर्मियों की टीम तथा ग्रामीणों की भारी भीड़ के सामने ही पगलाया सोनगढ़ चिल्ला चिल्ला कर मर गया तब जाकर डरे एवं सही में ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हैरिंगटन गंज ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रनापुर के सूबेदार के पुरवा में विगत पखवारे पूर्व एक विशालकाय सांड़ को एक पागल सियार ने काट लिया था। जिसके बाद बीते . देर शाम भारी भरकम सांड़ पगला गया और सियार की तरह हुंकार भरते हुए चिल्लाने लगा। आसपास के ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल छा गया।

सांड ने कई पशुपालकों के जानवरों पर हमला कर दिया। नियत से गुजर रहे ग्रामीणों को भी दौड़ाया। स्थिति बृहस्पतिवार की अल सुबह बहुत बिगड़ गई। पागल सांड़ सूबेदार के पुरवा में पहुंच गया। वह गांव में विक्रमादित्य यादव के दरवाजे पर स्थित उनकी पशुशाला के पास खड़े एक छुट्टा सांड़ से बिगड़ गया और उसे पटक–पटक कर मार डाला तथा उनकी पशुशाला में घुसने के बाद जमकर तांडव मचाया। देखते ही देखते भारी संख्या में ग्रामीण लाठी–डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए और पशुशाला को चारों तरफ से घेर लिया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि धर्मपाल यादव ने पशुपालन विभाग के जिला पशुधन प्रसार अधिकारी विवेक शुक्ला एवं ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी कमलेश कुमार सहित फायर स्टेशन मिल्कीपुर को समूचे घटनाक्रम की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पशु चिकित्सा अधिकारी हैरिंग्टनगंज कमलेश कुमार एवं अग्निशमन द्वितीय अधिकारी मिल्कीपुर नितेश शुक्ला, चालक दिनेश कुमार मिश्रा, फायरमैन विकास कुमार, मनोज कुमार, आशुतोष यादव, अरविंद कुमार के साथ सूबेदार गांव पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद रस्से से फंसा कर सांड को काबू में करते हुए पेड़ में बंधवा दिया। पेड़ध से बांधे जाने के बाद पागल सांड़ जोर जोर घंटों चिल्लाता रहा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई तब जाकर घबराए ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मनाया गया मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

अयोध्या। जनपद में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के तत्वावधान में जनपद अयोध्या के समस्त 2381 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम मनाया गया। जिसके अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मतदाताओं को मत डालने हेतु प्रेरित करने के लिए रंगोली बनायी गयी, मतदान हेतु शपथ दिलाई गयी तथा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। इसी क्रम में बाल विकास परियोजना पूराबाजार के रानोपाली प्रथम आंगनबाड़ी केन्द्र पर भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद कुमार सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी रवि श्रीवास्तव, क्षेत्रीय मुख्य सेविका श्रीमती फरीदा खान वरिष्ठ सहायक जय प्रकाश सिंह तथा आंगनबाड़ी केन्द्र के लाभार्थियों गर्भवतीध्धात्री महिलाओं, 0 से 06 वर्ष के बच्चों के अभिभावकों, 11 से 14 वर्ष की स्कूल न जाने वाली किशोरियों, तथा अन्य नागरिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई गयी तथा उन्होंने उपस्थिति लोगों से आग्रह किया कि आगामी 27 फरवरी को सभी लोग सारे कार्यो से पहले मतदान अवश्य करें।

उन्होनें उपस्थित बच्चों से भी आग्रह किया कि वे अपने अभिभावकों व घर के अन्य मतदाताओं से मतदान के दिन मतदान करने का आग्रह अवश्य करें। बाल विकास परियोजना अधिकारी रवि श्रीवास्तव ने भी उपस्थित लोगों से बिना किसी प्रलोभन या भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी व बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा बनायी गयी मतदाता जागरूकता रंगोलियों का अवलोकन भी किया गया तथा उनकी सराहना की गयी इसके पश्चात् जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता रैली को रवाना किया गया रैली का नेतृत्व आंगनबाड़ी कार्यकत्री श्रीमती संतोष त्रिपाठी व श्रीमती बाला देवी द्वारा किया गया। इसी प्रकार बाल विकास परियोजना अधिकारी राजेश कुमार गुप्त के नेतृत्व में बाल विकास परियोजना बीकापुर में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण लाभार्थियों तथा विकास खण्ड स्तरीय अन्य कर्मचारियों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी विवेक कुमार शाही द्वारा मिल्कीपुर में, बाल विकास परियोजना अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा मसौधा में बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी पाण्डेय द्वारा बाल विकास परियोजना शहर में बाल विकास परियोजना अधिकारी सूरजपाल सिंह के द्वारा बाल विकास परियोजना अमानीगंज में एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी ओम प्रकाश द्वारा बाल विकास परियोजना हैरिग्टनगंज में, प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी सुनीता वर्मा द्वारा बाल विकास परियोजना तारून में, प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी सिद्धिदात्री पाण्डेय द्वारा बाल विकास परियोजना रूदौली में प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी इन्दुमती द्वारा बाल विकास परियोजना सोहावल में तथा प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती अमिता वर्मा द्वारा बाल विकास परियोजना मवई में इसी प्रकार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा मतदाताओं को प्रेरित किया गया।

भाजपा को हराने की जिम्मेदारी सिर्फ ओवैसी की नही सबकी है

बहराइच।आल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद असदउददीन ओवैसी ने आज कहा कि भाजपा को हराने की जिम्मेदारी सिर्फ ओवैसी की नही बल्कि राहुल, अखिलेश व मायावती सबकी है।उन्होंने कहा कि यजीद और फिरऔन के समय मे हुसैनियत का परचम मुसलमानो को लहराना चाहिए। शहर के गेंदघर मैदान मे भागीदारी मोर्चे की इस रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि आज बेरोजगारी, मंहगाई, नाइंसाफी व नफरत की राजनीति बड़ा मुद्दा है।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव मे उन्हे चुनिए और अपने समाज का नेतृत्व मजबूत करे।वरना जिस समाज का नेता नही होता तो उसकी कोई सुनवाई नही होती।उन्होंने कहा कि अगर इस देश का मुसलमान गरीब, अशिक्षित व बेरोजगार रहेगे तो भारत कैसे मजबूत होगा।उन्होंने कहा कि मुसलमानो का वोट हमेशा भाजपा से डराकर लिया जाता है।फिर आपको कोई क्यों महत्व देगा।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मुसलमानो को अपनी हिस्सेदारी व बराबरी के लिए लडना और मुकाबला करना होगा,रोने से हक नही मिलेगा।उन्होंने कहा कि भाजपा ने नौकरी व रोजगार के नाम पर युवाओ को धोखा दिया है।पिछड़े वर्ग के लोगो को हिन्दुत्व के नाम धोखा देकर बाबा को मुख्यमंत्री बना दिया।ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी अपने को प्रधानमंत्री के बजाए बादशाह समझकर व्यवहार करते है।इस रैली को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली खान ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर सदर बहराइच के प्रत्याशी राशिद जमील खान व पयागपुर के रईस रहमानी,प्रदेश सचिव अल्ताफ अहमद, मण्डल अध्यक्ष मकीन अहमद मेकरानी, फिरोज बागबान, डा एस ए अलवी, जगदीश सिंह प्राचार्य, मिर्जा शमीम बेग, असद जमील खान आदिल व सैयद अकरम सईद समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

अखिलेश यादव 10 मार्च को मोबाइल स्विच ऑफ करके विदेश चले जाएंगेः स्वतंत्र देव सिंह

दिलीप श्रीवास्तव/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज पिछले पांच सालों में गुंडों का खात्मा करके प्रदेश में शांति और व्यवस्था का माहौल बनाते हुए प्रदेश को तेजी से विकास के पथ पर दौड़ाने का कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है और वो एक बार फिर मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे, ये बातें कही उत्तर प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उन्होंने भवानीगंज के एक स्कूल में शुक्रवार को डुमरियागंज से भाजपा उम्मीदवार राघवेंद्र सिंह के पक्ष में एक जनसभा को सम्बोधित किया। अपने निर्धारित समय से लगभग आधा घंटा देर से पहुंचे स्वतंत्र देव सिंह स्कूल में मौजूद जबरदस्त भीड़ को देख कर गदगद नजर आये। उन्होंने अपने सम्बोधन में एक एक करके प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि योगी ने प्रदेश में गुंडाराज खत्म किया, प्रदेश को विकास के पथ पर दौड़ाया, कोरोना काल में अपनी जनता के सुख दुख में खडे होकर एक भी परिवार को भूखा नही सोने दिया और फ्री राशन उपलब्ध कराया, गरीबों को आवास उपलब्ध कराया, किसानों की परेशानियों का ध्यान रखते हुए सम्मान निधि दिया, गैस सिलिंडर और बैंकों में खुले खाते की बात भी कही। उन्होंने कहा जिस गुंडागर्दी को मुख्यमंत्री ने प्रदेश से खत्म किया कुछ उसी तरह की गुंडागर्दी को राघवेंद्र सिंह ने डुमरियागंज से खत्म कर इस क्षेत्र को विकास के पथ पर दौड़ाया। उन्होंने कहा कोरोना काल में जब विपक्ष अपनी घरों में कैद था तब आपका विधायक अपनी जान की परवाह ना करते हुए आपके बीच जाकर दुख के समय आपके साथ खड़ा था। स्वतंत्र देव सिंह ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने जिन्ना का नाम सरदार पटेल के साथ जोड़कर उनका अपमान किया जबकि देश कि मोदी सरकार ने सरदार पटेल की सबसे लम्बी मूर्ति बना कर उनका यथोचित सम्मान किया। उन्होंने कश्मीर से धारा 370 हटाने, राम मंदिर निर्माण कराने जैसी उपलब्धियों को गिना कर स्कूल में जबरदस्त भीड़ से एक बार फिर राघवेंद्र सिंह को जिताने की अपील की और किसी के झांसे में ना आने की बात कही। अपने लगभग 20 मिनट के सम्बोधन में वो एक एक वोट को सहेजते नजर आये। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने जा रही है और अखिलेश यादव 10 मार्च को अपना मोबाइल स्विच ऑफ करके विदेश चले जाएंगे। इस दौरान डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल, विधायक राघवेंद्र सिंह, नरेन्द्र मणि त्रिपाठी, मधुसूदन अग्रहरि, एस पी श्रीवास्तव, अभय राम पाण्डेय, मोनी पाण्डेय, समेत तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारियी मौजूद रहे।

ईवीएम वोटिंग के लिए तैयार, सामाग्री की पैकिंग शुरू, जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला निर्वाचन कार्यालय में कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के 583 बूथों एवं 20 प्रतिशत रिजर्व 117 ईवीएम की तैयारी पूर्ण हो चुकी है। स्टेशनरी के पैकिंग का कार्य चल रहा है।कुल बूथों का 5 प्रतिशत ईवीएम कुल 35 मशीन का मॉक पोल किया गया। सभी राजनीतिक दलों ने मॉक पोल कर चेक किया सही पाया गया। उक्त समय सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।भारत निर्वाचन द्वारा निर्देश दिया गया है कि किस विधानसभा में जितना बूथ है उसका पांच प्रतिशत उस विधानसभा के प्रत्याशियों के सम्मुख जो बूथ मांगे उस पर वोटिंग कर दिखाया जाता है। कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पढ़ने वाले ईवीएम मशीनों के मॉक पोल के दौरान जिलाधिकारी दीपक मीणा पहुँच कर सभी कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश। स्टेशनरी की पैकिंग की जा रही है। आरओ विकास कश्यप, एआरओ राम ऋषि रमन, बिन्द्रेश गुप्ता, माधुर्य यादव सभी पहलुओं पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। किसी प्रकार की त्रुटि न होने पावे। इस कार्य मे निरीक्षक शीतल प्रसाद द्विवेदी, अम्बरीश, प्रेम प्रकाश, विजय प्रकाश गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार सिंह, अशोक श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा आदि लगे हुए है।

भागीदारी परिवर्तन मोर्चा के प्रत्याशियों के पक्ष में बोले असाउद्दीन ओवैसी व बाबू सिंह कुशवाहा

श्रवण पटवा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ के छतहरी स्थिति बीरेंद्र सिंह ग्रामीण स्टेडियम में भागीदारी परिवर्तन मोर्चा में ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी एवं जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू सिंह कुशवाहा ने संयुक्त रूप से भागीदारी परिवर्तन मोर्चा के प्रत्याशी डा.सरफराज अंसारी व इटवा के प्रत्याशी रमेश गौतम के पक्ष में जनसभा कर भाजपा और सपा पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन में ओवैसी ने कहा कि भाजपा व सपा गठबंधन का प्रत्याशी बाहरी है लेकिन भागीदारी परिवर्तन मोर्चा का प्रत्याशी आपके विधानसभा का है, जो हमेशा आपके सुख–दुख में आपके बीच रहेगा। उन्होंने कहा कि आजम खां और अतीक को जेल भेजवाने के जिम्मेदार अखिलेश ही हैं। आजम का कद बढ़ रहा था। ओवैसी ने कहा कि भाजपा सरकार में कोरोना के दौरान गंगा में लाशें तैर रही थीं। इलाज तो दूर, मृतकों को दफन करने की सुविधा तक नहीं दी। उन्होंने कहा कि युवा और किसान दिक्कतों से गुजर रहे हैं। बाबा ने किसानों को नई नौकरी दी है कि छुट्टा जानवरों से फसल की रखवाली करो। जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूसिंह कुशवाहा ने कहा कि सरकारी व गैर सरकारी नौकरियों में सभी को आबादी के अनुसार हिस्सेदारी मिले। सभी को स्वास्थ्य, शिक्षा, इलाज निःशुल्क मिले। कुछ क्षेत्रीय घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस व तहसील प्रशासन दबाव में किसी भी कमजोर, पिछड़े, महिला की बात नहीं सुनता। इसका कारण चुनावों में हमारे द्वारा गलत प्रत्याशियों का चयन है। कहा कि सपा चुनाव में भाजपा के जीतने का भय दिखाकर समाज के लोगों का वोट हासिल करती है, मगर सत्ता में बैठने के बाद सब भूल जाती है। इस मौके पर एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली, जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष जगन्नाथ मौर्य, सिराजुद्दीन, दुर्गावती, शाइस्ता सना, विभा शुक्ला आदि मौजूद थे।

- **भाजपा व सपा गठबंधन का प्रत्याशी बाहरी है लेकिन भागीदारी परिवर्तन मोर्चा का प्रत्याशी आपके विधानसभा का है- असदुद्दीन ओवैसी**
- **सरकारी व गैर सरकारी नौकरियों में सभी को आबादी के अनुसार हिस्सेदारी मिले- बाबूसिंह कुशवाहा**
- **भागीदारी परिवर्तन मोर्चा की जनसभा में वक्ताओं ने भाजपा, सपा व बसपा पर जमकर साधा निशाना**

सोनू जायसवाल ने किया नुक्कड़ सभा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। बांसी विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजा प्रताप सिंह के लिए नुक्कड़ सभा के दौरान भाजपा के युवा नेता विष्णु कुमार उर्फ सोनू जयसवाल ने उपनगर नरकटहा में नुक्कड़ सभा के दौरान भाजपा के पक्ष में वोट मांगा और सात बार विधायक रहे इस बार भी आठवीं बार आप सभी लोग अपना मत भाजपा को दें साथ ही उन्होंने भाजपा के उपलब्धियों के बारे में भी बताया।

अपना दल को जिताने के लिए हियुवा कार्यकर्ताओं ने भारी हुँकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मतदान की तिथि नजदीक आने से सियासी पारा चढ़ रहा है। अभी तक शांत बैठे हियुवा कार्यकर्ता खुलकर भाजपा गठबंधन के अपना दल प्रत्याशी विनय वर्मा को जिताने के लिए जोर शोर से प्रचार प्रसार कर रहे है। हियुवा जिलाध्यक्ष रमेश गुप्ता की अगुवाई में रमवापुर, खुनवा बाजार, पकड़ी, बभनी, कठेला, ढेबरुआ सहित कई गावों मे जनसंपर्क कर अपना दल प्रत्याशी विनय वर्मा के पक्ष में मतदान करने की बात कही। इस दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा उपलब्धियों के साथ हिंदूत्व और विकास की चर्चा कर जनता के द्वारा प्रत्याशी के पक्ष मे अपार समर्थन का संकल्प लिया गया, जिसमे पुनः योगी जी को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी संजय कसौधन, विश्व हिंदू महासंघ गोंडा पदाधिकारी कमलापति गुप्ता, हियुवा ब्लॉक अध्यक्ष संजय राजभर, दिनेश गुप्ता, संतोष गुप्ता, कठेला श्यामसुंदर चौहान, विष्णु दयाल चौरासिया, विकास तिवारी, गणेश अग्रहरि, बृजेश बारी सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोकल बनाम बाहरी की लड़ाई नही है, बल्कि विचारधारा की लड़ाई हैः विजय चौरसिया

अपना दल कैम्प कार्यालय पर हुआ युवा मोर्चा अपना दल राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय चौरसिया का स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को शोहरतगढ़ स्थित भाजपा गठबंधन के अपना दल के कैम्प कार्यालय पर युवा मोर्चा अपना दल राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय चौरसिया का स्वागत किया गया। प्रत्याशी विनय वर्मा एवं कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने गर्मजोशी के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष का बुके व बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जी का चित्र देकर स्वागत किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में लोगों का अपार जनसमर्थन मिल रहा है, जिससें एक बार पुनः उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की बहुमत की सरकार बन रही है। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि क्षेत्र में चौरसिया समाज करीबन 40 से 45 हजार है उन सभी लोगों का अपार समर्थन मिला है इसके साथ ही निषाद पार्टी का मूल वोट भी पार्टी को मिलने का दावा किया। लोकल बनाम बाहरी के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने सोच समझकर प्रत्याशी को उतारा है यहां लोकल बनाम बाहरी की लड़ाई नही है, बल्कि विचारधारा की लड़ाई है। साथ उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में केंद्र प्रदेश सरकार की योजनाओं का लोगों को लाभ मिला है उत्तर प्रदेश में विकास हुआ है इन्हीं विकास के मुद्दों पर हम लड़ाई लड़ रहे हैं। इस दौरान अपना दल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, गिरजेश पटेल, अपना दल महिला जिला अध्यक्ष, अंजली चौधरी ने भी अपनी बात कही। इस दौरान प्रमुख रूप से रवि अग्रवाल, सोनू महतो, रवि चौरसिया, जसवंत चौरसिया, गोरख चौरसिया, विनोद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

तिलक इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन

स्काउट गाइड की शिक्षा से छात्र छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिलता है- नमिता पांडेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। भारत स्काउट और गाइड सिद्धार्थनगर के सौजन्य से तिलक इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन शुक्रवार को हुआ, इस दौरान राजकीय कन्या इंटर कॉलेज प्रधानाचार्या नमिता पाण्डेय ने कहा कि स्काउट गाइड की शिक्षा से छात्र–छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिलता है तथा यह हमें जीवन जीने की कला भी सिखाती हैं, हमें विपरीत परिस्थितियों में किस प्रकार से जीवन यापन करना चाहिए यह शिक्षा हमें स्काउट गाइड से प्राप्त होता है, प्रधानाचार्य डॉ कृष्ण कुमार ने कहा कि स्काउट गाइड के नियम, प्रतिज्ञा, गांठ, बंधन, टोली निर्माण, तंबू निर्माण, बिना बर्तन भोजन बनाने की कला की जानकारी हमारे संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करने में सहायक होती है। जिला संगठन कमिश्नर स्काउट हरीश चंद्र यादव ने कहा कि तीन दिन तक छात्र और छात्राओं ने पूरे मनोयोग से शिक्षा ग्रहण किए तथा उन्हें विविध प्रकार की जानकारी दी गई इस शिक्षा से बच्चों में जहां एक ओर एक दूसरे के परस्पर सहयोग करने की भावना जागृत होती है वही आगे चलकर यह बच्चे सशक्त राष्ट्र निर्माण में सहायक साबित होते हैं, इस दौरान प्रातः काल विद्यालय के स्काउट गाइड ने नगर भ्रमण करके मतदाता जागरूकता के संदर्भ में एक रैली भी निकाली गई जिसमें छात्र छात्राओं ने अपने हाथों में मतदाता जागरूकता स्लोगन लिखकर विद्यालय से लेकर दिलीप फिलिंग स्टेशन तक नारा लगाते हुए गए विद्यालय पर वापस आकर तंबू निर्माण तथा बिना बर्तन भोजन बनाने की कला को भी व्यवहारिक रुप से सीखा एवं विद्यालय के निर्णायक दल ने उनके तंबुओं का निरीक्षण कर उन्हें उनके कार्य के अनुरूप सम्मान देकर पुरस्कृत किया गया इस दौरान हरेंद्र बहादुर सिंह, मनोज कुमार सिंह, स्पर्श बर्मा, राज वरुण, जयराम यादव, सीमा यादव, हरिओम यादव, लोकपति सिंह, साक्षी सिंह, शत्रुघ्न लाल, नितेश ओझा गौरी आकाश मनीषा सौम्या पांडे मुस्कान वर्मा खुशी सुषमा विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

लेकिन लगता नहीं कि महाशक्तियां इस सलाह को सुनने को तैयार हैं, यह जानते हुए भी कि युद्ध से सिर्फ तबाही और मानवीय त्रासदी ही हासिल होती है। लेकिन यह स्थिति भारत के लिये धर्मसंकट जैसी है। रूस भारत का भरोसेमंद सहयोगी रहा है और रक्षा मामलों में भारतीय निर्भरता बढ़ी है। यदि भारत रूस के निर्णय...

संकट की तपिश

दो साल की महामारी की त्रासदी से उबरने की कोशिश में जुटी दुनिया एक बार फिर महाशक्तियों की महत्वाकांक्षाओं से उपजे संकट में झुलसने को अभिशप्त है। इतिहास को नये सिरे से लिखने पर आमादा महत्वाकांक्षी रूस ने जिस बड़े पैमाने पर यूक्रेन की सीमा पर सेना का जमावड़ा किया था, उससे युद्ध की आशंका बलवती हुई थी। रूस की फिर से महाशक्ति बनने की कोशिशों से तिलमिलाए अमेरिका और पश्चिमी देश तो कब से युद्ध की भविष्यवाणी कर रहे थे। जाहिर है यूक्रेन सीमा पर डेढ़ लाख से अधिक रूसी सैनिकों व भारी हथियारों की तैनाती और बेलारूस में रूसी सैनिकों का अभ्यास कुछ ऐसी ही आशंकाओं को पुष्ट कर रहा था। जहां ताकतवर होते रूस की आकांक्षा कभी सोवियत संघ का हिस्सा रहे सामरिक महत्व के यूक्रेन को अपने प्रभाव में लाने की रही है, वहीं अमेरिका–ब्रिटेन समेत यूरोपीय देश उसे नाटो का हिस्सा बनाने पर आमादा हैं। एक दशक पूर्व रूस समर्थित सरकार के यूक्रेन में पतन के बाद वहां अमेरिका व यूरोपीय यूनियन के देशों का वर्चस्व बढ़ा है। ये देश यूक्रेन को नाटो का हिस्सा बनाने की कूटनीति खेल रहे थे, तो रूस ने साफ कह दिया कि यह उसे स्वीकार्य नहीं है। रूस की सीमा से लगे यूक्रेन का नाटो संगठन में शामिल होने का मतलब है इस संगठन की मास्को तक पहुंच आसान होना। बहरहाल, यूक्रेन में विद्रोहियों के वर्चस्व वाले दो प्रांतों को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने के बाद यह विवाद और तेज हो गया है। रूस ने कहा है कि इन इलाकों में शांति स्थापना के लिये रूसी सेना भेजी जायेगी। जाहिर है पश्चिमी देश इसे यूक्रेन पर अपरोक्ष हमला मान रहे हैं। इन हालात में कब युद्ध की लपटें उठने लगें, कुछ कहना मुश्किल है। कुछ यूक्रेनी सैनिकों को रूसी सेना द्वारा मार गिराये जाने के बाद मामला ज्यादा संवेदनशील हो गया है। इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र की बैठक भी हुई है और ब्रिटेन ने कुछ रूसी बैंकों पर प्रतिबंध की शुरुआत कर दी है। ऐसे ही प्रतिबंधों की बात अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के देश भी कर रहे हैं। दरअसल, ये देश रूस समर्थक अलगाववादियों के दबदबे वाले दो प्रांतों डोनेत्स्क और लुहान्स्क को अलग देश का दर्जा दिये जाने को रूसी हमला मानकर चल रहे हैं। वहीं रूस सुरक्षा परिषद की भी अनसुनी करके सेना हटाने को तैयार नजर नहीं आता। पुतिन ने हाल ही में कहा है कि रूस बातचीत को तैयार है लेकिन अपने देश के हितों की अनदेखी नहीं करेगा। वहीं अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति के जानकार इसे रूस–यूक्रेन विवाद के बजाय अमेरिका व रूस की महत्वाकांक्षा का टकराव मानकर चल रहे हैं। बहरहाल, इस टकराव से सारी दुनिया पर असर पडने वाला है। कच्चे तेल के दामों में अभूतपूर्व उछाल से कोरोना संकट से उबरने की कोशिश में लगे विकासशील व गरीब मुल्कों की अर्थव्यवस्था पर इसका घातक असर पड़ेगा। पेट्रोलियम पदार्थों व गैस के दामों में उछाल से जो महंगाई बढ़ेगी, उससे सामाजिक असंतोष बढने की आशंका है। यदि वाकई युद्ध छिड़ता है और युद्ध में नाटो की भूमिका बढ़ती है तो यह मानवता के लिये नया संकट ही होगा। ऐसे में भारत ने संयुक्त राष्ट्र परिषद में तनाव कम करने के लिये कूटनीतिक प्रयासों पर बल दिया है। लेकिन लगता नहीं कि महाशक्तियां इस सलाह को सुनने को तैयार हैं, यह जानते हुए भी कि युद्ध से सिर्फ तबाही और मानवीय त्रासदी ही हासिल होती है। लेकिन यह स्थिति भारत के लिये धर्मसंकट जैसी है। रूस भारत का भरोसेमंद सहयोगी रहा है और रक्षा मामलों में भारतीय निर्भरता बढ़ी है।

कैमरा, कोण और दृष्टिकोण से समृद्ध राजनीति

अरुण अर्णव खरे

राजनीति में तीन चीजेंकृकैमरा, कोण और दृष्टिकोण अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जिस नेता ने इन चीजों को अच्छे से समझ लिया, सफलता उसके कदमों में होती है। बटुक जी ऐसे ही नेता हैं इसलिए सफलता के शिखर पर हैं। उनका दृष्टिकोण साफ है। पार्टी और नीतियां एक सीमा तक ही उन्हें बांधकर रख पाती हैं। अपने जमीर, अपनी अंतरात्मा को उन्होंने इस भार से मुक्त रखा है। निष्ठा और भावनात्मक लगाव जैसे शब्द उन्होंने राजनीति के शुरुआती दिनों में ही अपने शब्दकोश से बाहर कर दिए थे। नैपोलियन की ही तरह असंभव शब्द भी उन्हें पसन्द नहीं है इसलिए वह बाएं से दाएं और दाएं से बाएं किसी भी पार्टी में आसानी से आवागमन कर लेते हैं। दूरदृष्टि और पक्का इरादा उनका ध्येय वाक्य है। कुर्सी कभी उनकी दृष्टि के दायरे से बाहर नहीं रही। उनकी दृष्टि में पद का हमेशा अहम स्थान रहा है। येन, केन प्रकारेण वह पद पाकर ही रहते हैं7 राजनीति में कोण के महत्व को भी वह बखूबी जानते हैं। उन्हें पता है कि किसके सामने कितने डिग्री के कोण से झुकना है। दृष्टिकोण की तरह उनका शरीर भी लचीला है। उनका शरीर स्वयमेव अपने वरिष्ठों के सामने 90 डिग्री और आलाकमान के सामने 180 डिग्री तक झुक जाता है। इसलिए उनके सारे पाप और कुकर्म गौण रह जाते हैं। चूंकि वह किसी के प्रति निष्ठाभाव नहीं रखते अतएव अपनी ही कही बात पर आसानी से 360 डिग्री का टर्न ले सकते हैं। नेतागीरी को चमकाने में कैमरे के रोल को उन्होंने शुरुआती दिनों में ही समझ लिया था। इसलिए स्वयं को अपरिहार्य बनाए रखने के लिए वह कैमरे का सदुपयोग और दुरुपयोग, दोनों पूर्ण सजगता और समझदारी से करते आए हैं। उनके पास स्पाई कैमरे से शूट किए गए सैकड़ों नेताओं के अंतरंग क्षणों के रंगीन दस्तावेज हैं, जिनका उपयोग वह हर पार्टी में अपनी हैसियत बनाए रखने के लिए करते आए हैं। इस मामले में वह पूर्ण सतर्कता बरतते हैं। वह वीडियो लीक करने की धमकी भर देते हैं, वीडियो लीक करने के बारे में सोचते नहीं। उनको भी तो अंदर ही अंदर डर सताता है कि कहीं किसी प्रतिद्वंद्वी के पास उनका भी कोई ऐसा–वैसा वीडियो न हो। कैमरे के सदुपयोग के मामले में वह बहुत संवेदनशील हैं। सार्वजनिक स्थानों पर धोखे से भी कोई उनके और कैमरे के बीच नहीं आ सकता। बटुक जी इस बार भी मैदान में हैं अपने दृष्टिकोण, कैमरे और अष्टकोणीय लचीले शरीर के साथ।

डिजिटल पूंजी को कानूनी वैधता का इंतजार

भारतीय डिजिटल रुपये की कानूनन वैधता बनाने को भी संबंधित धाराओं में माकूल संशोधन किए जाने की जरूरत पड़ेगी। इस तरह अधिक स्पष्टता बनाकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को डिजिटल रुपया इस्तेमाल करने को उत्साहित किया जा सकेगा। इतना सब कह और करके, बजट भाषण ने डिजिटल रुपये और आभासीय डिजिटल पूंजी में संभावनाओं की नई राहें खोल दी हैं। हालांकि इन ...

पवन दुग्गल

वित्तमंत्री सीतारमण ने बजट 2022–23 भाषण में कुछ नई राहों को खोला है, जिससे कि अनेकानेक नए मौके पाने की संभावना बनी है। इनमें एक मुख्य है डिजिटल करेंसी। आज की तारीख तक, भारत के पास मुद्रा के तौर पर केवल कागजी भारतीय रुपया रहा है। पूंजी के डिजिटल प्रारूप पर बढ़ती निर्भरता और इस शडिजिटल वाहनय पर दिनों–दिन भारतीयों को सवार होते देख सरकार ने डिजिटल करेंसी की महत्ता को पहचाना है। यही वजह है कि वित्तमंत्री ने केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) लाने की बात कही है। सीबीडीसी क्रमिक विकास सरीखी प्रक्रिया है। आम आदमी की भाषा में कहें तो क्रिप्टो करेंसी की आमद ने विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों को निजी क्रिप्टो करेंसी का आधिकारिक विकल्प देने के बारे में सोचने को उद्धत किया है। सीबीडीसी को आमतौर पर वह डिजिटल टोकन माना जा रहा है जिसे देश का केंद्रीय बैंक जारी करेगा। जहां तक मुल्कों की आम प्रचलित नकदी की बात है, ज्यादातर देशों के केंद्रीय बैंक डिजिटल टोकन को बढ़ावा देने के हामी हैं। जैसे कि अटलांटिक काउंसिल ने कहा है कि सीबीडीटी वह आभासीय मुद्रा है जिसे मुल्क का केंद्रीय बैंक जारी कर मान्यता देगा। सीबीडीटी का फायदा यह होगा कि इसके धारक को मूल्य संबंधी गारंटी मुल्क विशेष के केंद्रीय बैंक की होगी। इस संदर्भ में, बजट भाषण में वर्ष 2022–23 से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ब्लॉक चेन और अन्य तकनीकों पर आधारित डिजिटल रुपया जारी करने का वर्णन है। बजट में आगे डिजिटल रुपये के रूप में सीबीडीसी के बहुत से फायदों को गिनाया गया है। आस है कि भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था को भारतीय मुद्रा के इस नए प्रारूप से गति मिलेगी। यह भी माना जा रहा है कि डिजिटल रुपये और डिजिटल करेंसी से मुद्रा प्रबंधन व्यवस्था के खर्च में कमी आएगी और अधिक दक्षता बनेगी। जहां तक भारत की बात है इससे डिजिटल करेंसी और डिजिटल भुगतान के क्रमिक विकास के आगाज से नया अध्याय बनेगा। बजट भाषण में डिजिटल शब्द का जिक्र 35 अलग–अलग स्थान पर आया है, जो कि डिजिटल व्यवस्था बनाने के अलग–अलग पहलुओं से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित है। बजट भाषण ने नए युग का सूत्रपात किया है। पहली मर्तबा डिजिटल पूंजी पर कर–योजना का प्रावधान किया गया है। भारत में पिछले कुछ समय से क्रिप्टो करेंसी और क्रिप्टो–पूंजी के प्रयोग में भारी उछाल देखने को मिला है। हालांकि, इनको नियंत्रित करने हेतु अलग से विशेष कानूनी तंत्र नदारद है। गौरतलब और रोचक यह कि फिर भी ज्यादा–से–ज्यादा भारतीय आभासीय पूंजी में निवेश कर रहे हैं और इसके लेन–देन की मात्रा और आवर्ती में निरंतर बढ़ोतरी होती जा रही है। बजटीय संबोधन में आगे आभासीय डिजिटल पूंजी पर लगने वाले टैक्स की बाबत अलग–अलग प्रावधानों का जिक्र किया गया है। इस कार्ययोजना के विविध मुख्य अवयव हैं जिनमें प्रथम, आभासीय मुद्रा या पूंजी के लेन–देन से प्राप्त आमदनी पर 30 फीसदी कर चुकाना होगा। दूसरा, डिजिटल पूंजी से हुई आमदनी की गणना करते वक्त इसकी खरीद लागत गिने जाने के अलावा अन्य खर्च या भत्तों की कटौती किए जाने का प्रावधान नहीं है। तीसरा, डिजिटल करेंसी या पूंजी के व्यापार में हुए घाटे को व्यक्ति के अन्य स्रोतों से हुए मुनाफे से घटाकर पेश करना वर्जित है। चौथा, इस योजना के तहत एक मात्रा से ज्यादा डिजिटल करेंसी या पूंजी के लेन–देन पर 1 फीसदी दर से टीडीएस (स्रोत कर) लगेगा। इन प्रस्तावों से कुल मिलाकर यह प्रभाव बनता है कि सरकार डिजिटल पूंजी को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था में शामिल करके कराधान का दायरा बढ़ाना चाहती है। यही वह मंतव्य है जो इस बजट भाषण में झलकता है। यहां गौरतलब है कि चूंकि भारत के पास डिजिटल पूंजी को लेकर अलग से कोई कानूनी तंत्र अब तक नहीं है, तो इसकी अनुपस्थिति में आभासीय (वर्चुअल) लेन–देन पर 30 फीसदी कर लगाने का प्रावधान आम आदमी की समझ में एक तरह से डिजिटल पूंजी को वैधता और मान्यता देने वाला कदम है। हालांकि यह विषय–वस्तु और क्षेत्र अभी अस्पष्ट है। जो लोग डिजिटल पूंजी के व्यापार में लिप्त हैं उनके धन की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि एक यथेष्ट कानूनी तंत्र बने, जो कि बजट में डिजिटल पूंजी पर टैक्स–प्रस्तावों को लेकर की गई घोषणा के अनुरूप भी होगा। ऐसा कोई कदम भारत में क्रिप्टो–आर्थिकी की उन्नति सुदृढ़ करने में अधिक स्पष्टता और सहायता प्रदान करेगा। भारतीय डिजिटल रुपये को एक न्यूनतम कानूनी जामा पहनाने की जरूरत है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि डिजिटल रुपये वाला सिद्धांत वर्तमान दायरे में नहीं आता। लिहाजा इसको सूचना तकनीक कानून–2000 और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया कानून–1935 की परिधि में लाने हेतु दोनों में यथेष्ट संशोधनों की जरूरत है। भारतीय डिजिटल रुपये की कानूनन वैधता बनाने को भी संबंधित धाराओं में माकूल संशोधन किए जाने की जरूरत पड़ेगी। इस तरह अधिक स्पष्टता बनाकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को डिजिटल रुपया इस्तेमाल करने को उत्साहित किया जा सकेगा। इतना सब कह और करके, बजट भाषण ने डिजिटल रुपये और आभासीय डिजिटल पूंजी में संभावनाओं की नई राहें खोल दी हैं। हालांकि इन मौकों को एक कानूनी ढांचे का संबल देकर मजबूती और वैधता देना बाकी है। यह सब होने पर भारत भी आने वाले समय में डिजिटल करेंसी और पूंजी व्यापार के फायदों का लाभ ले सकेगा।

लेखक साइबर कानून विशेषज्ञ हैं।

विकासशील देश को वक्त के साथ चलना पड़ता है, कुछ ने समय रहते अर्थव्यवस्था को लगने वाले झटकों का पूर्वानुमान लगा लिया या फिर इससे पार पाने के उपाय करने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने नए नोट तब छापे जब इसकी जरूरत थी और अब इससे पैदा हुई मुद्रास्फीति को काबू करने में लगे हैं। उनकी बेरोजगारी दर पहले के मुकाबले अब निचले स्तर पर है, उनका राजनीतिक तंत्र और केंद्रीय बैंक...

महामारी के बाद की चुनौतियों का चिंतन

गुरबचन जगत

इतिहास के पन्नों में बीते दो सालों का जिक्र होगा कि 21वीं सदी के पहले उत्तरार्द्ध में भारी जानी नुकसान और अर्थव्यवस्था को ध्वस्त करने वाली एक महामारी ने दुनिया को चपेट में लिया था। यह भी कि कैसे कुछ राष्ट्र–राज्यों ने वैज्ञानिक तौर–तरीके से स्वास्थ्य, सामाजिक सेवाओं, पुलिस, केंद्रीय बैंक और अन्य सरकारी विभागों के बेहतर समन्वय से (हालांकि सेवा–प्रदाताओं का नुकसान भी हुआ) त्रासदी से बेहतर ढंग से निपटा और लोगों की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुश्किलें कम कर पाए थे। लेकिन कमजोर बुनियादी ढांचे और राजनीतिक दृढ़शक्ति से विहीन अन्य देशों में महामारी ने मानवीय व आर्थिक क्षति पहुंचायी। यहां 14वीं सदी में यूरोप को चपेट में लेने वाली प्लेग महामारी का जिक्र मौजू होगा (जिसे काली मौत भी पुकारा जाता है), जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे गए। नतीजतन जीवन के हर क्षेत्र में गहरा असर हुआ। उदाहरणार्थ, इस काल में इंग्लैंड और फ्रांस के बीच सौ साला युद्ध जारी रहा। उस वक्त इंग्लैंड और फ्रांस के किसान विद्रोहों ने सामंतशाही को उखाड़ फेंकने का आगाज किया। भारी तादाद में हुई मौतों के चलते महिलाओं की भूमिका महत्ती बनी और अति पिछड़ों का सशक्तीकरण भी हुआ, क्योंकि घटी जनसंख्या के कारण जमींदारों को पहले जितनी असीमित श्रमशक्ति उपलब्ध नहीं रही। आर्थिक क्षेत्र में मंदी आई और मुद्रास्फीति बनी क्योंकि श्रमशक्ति कम होने से फसलें तैयार नहीं हुई। मौजूदा महामारी के परिणामों का आकलन बाकी है। शुक्र है कि इस बार मृत्यु–दर प्लेग के वक्त जितनी नहीं थी। दरअसल, आज वैश्विक अर्थव्यवस्था जटिल मशीन की भांति है, जिसके कल–पुर्जों के रूप में विभिन्न राष्ट्र, आपूर्ति शृंखला और एक–दूसरे पर निर्भर हैं। इसमें महामारी से बाधा पड़ी, फलतरू राष्ट्रों ने आत्मनिर्भरता और संरक्षणवादी नीतियों की राह चुनी। उच्च मुद्रास्फीति की स्थिति सामने आई है और इसकी घातकता का अहसास हुआ। राष्ट्रों के लॉकडाउन की तीव्रता भिन्न रही और इसका प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने–बाने पर पड़ा। असर अब उजागर होने लगा है। कोविड की क्रमिक लहरों से जीवन के तमाम पहलू प्रभावित हुए हैं। कहना कठिन है अंतिम रूप से कोविड–19 से छुटकारा कब होगा या नये वेरिएंट की वापसी होगी। मेडिकल विशेषज्ञ, अनुसंधान संगठन, दवा निर्माता कंपनियां और सरकारें नाना प्रकार की चेतावनियों से भय दोहन कर रहे हैं। सबके बावजूद हमें यह नहीं पता कि कोविड वायरस कहां से आयादृ चीन या अमेरिका दृ या कुपित हुए ईश्वर ने मनुष्यों पर बिजली गिराई? सरकारी परीक्षणशालाएं, अनुसंधान संगठन और यूनिवर्सिटियों ने इस जानलेवा बीमारी से मानव जाति को बचाने को वैक्सीन विकसित करने में अपना सर्वश्रेष्ठ तुरंत झोंक दिया। इस भागीरथ प्रयास में फार्मा कंपनियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया (हालांकि बाद में कमाया भी खूब है)। ज्यादा वैक्सीन पाने को मुल्कों में होड़ लगी, जो विकसित देशों के हिस्से में अधिक आया। पिछले दो सालों में लॉकडाउन, कर्फ्यू आदि कारणों से बंद पड़े स्कूल–कॉलेज, न्यायालय, अस्पताल और मनोरंजन स्थल आदि के बंद रहने का क्या असर रहा? पहले कुछ महीनों में देखने को सूना परिदृश्य मिला और हर इंसान टापू में फंसा एकांतवासी होकर रह गया। एक–दूसरे से दूर, न किसी से मिलना–जुलना, सब पार्टियां बंद (सिवाय 10 डाउनिंग स्ट्रीट के), बाजार जाकर खरीदारी नहीं, बाहर घूमना बंद। आपसी संपर्क का एकमात्र जरिया फोन था और समय बिताने के लिए किताबें पढ़ो या टेलीविजन देखो। घरों में अजीब–सा घुटनभरा वातावरण और भावनाओं में हताशा। निस्संदेह, अलगाव मनोवैज्ञानिक समस्याएं पैदा करता है, जिससे व्याधि और नकारात्मकता पैदा होती है। जहां कहीं गले में हल्की खराश–खांसी या फिर मामूली बुखार महसूस हुआ नहीं कि संक्रमण की आशंका पैदा हो जाती है। तमाम बड़े–बुजुर्ग व छात्र इस अहसास से गुजरे। निस्संदेह, बुढ़ापा वैसे ही एकाकीपन का दूसरा नाम है, लेकिन महामारी, तिस पर एकांतवास, इसको और गहरा देते हैं। इस दौरान स्कूली बच्चे हमउम्र साथियों के साथ से महरूम रहे और ऑनलाइन पढ़ाई हेतु कंप्यूटर के सामने बंधने को मजबूर रहेदृबचपन के सुनहरे दिनों में दो सालों की हानि की भरपाई कौन कर पाएगा? दीर्घकाल में मनोवैज्ञानिक संतुलन पर इसका क्या असर रहेगा? क्या वे पूरी तरह उबर पाएंगे, क्या ऑनलाइन पढ़ाई उस घाटे को पूरा करने के लिए काफी है, जो कक्षा में परस्पर आदान–प्रदान न होने से होता है? तथापि, उन लाखों बच्चों का क्या जो कंप्यूटर व स्मार्टफोन के अभाव में ऑनलाइन पढ़ाई से वंचित रहे। कई बार तीन–चार बच्चों को एक ही फोन से गुजारा करना पड़ा। पूरा सिग्नल पाने को ऊंची जगहों पर चढना पड़ा। बच्चों को घर में खाली बैठाए रखने की बजाय कुछ गरीब अभिभावकों को मजबूरी में उनसे मजदूरी करवानी पड़ी। क्या उन्हें अपना बचपन दुबारा मिल पाएगा? वे पढ़ाई की ओर लौटेंगे? गरीब छात्रों का दो वर्षों का शिक्षा–काल भेंट चढ़ चुका है। कोई आरक्षण, मुफ्त दाल–चावल या साइकिल इत्यादि कभी भी उनकी इस खोई शिक्षा को वापस नहीं दिलवा सकेंगे। यह अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य है, जो गरीबी से लडने को जादुई ताकत देते हैं। वक्त की मांग है कि महामारी उपरांत राष्ट्रव्यापी प्रभावशाली शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचा बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। लेकिन नवीनतम बजट इस आस पर पानी फेरता है क्योंकि जो बुनियादी ढांचा और उत्साह चाहिए, उसके लिए अलग से कोई प्रावधान नहीं रखा गया। वही पुरानी डिस्पेंसरियां और सरकारी अस्पताल खस्ताहाल में जारी रहेंगे। हमारी विशाल आबादी की वजह से बेरोजगारी सदा चुनौती रही है, तिस पर महामारी के कुप्रबंधन से बेरोजगारी बढ़ी है। वहीं मजदूरों का वार्षिक प्रवास बेरोजगारी के चलते बहुत कम हुआ। उनके अवचेतन में लॉकडाउन की त्रासदियां जीवंत हैं। प्रवासी तब न घर के रहे न घाट के, महानगरों ने नौकरी से जवाब दिया और राज्य सरकारों के लिए वे अवांछित बन गए, जब तक पैतृक गांवों में बीमारी–मुक्त होने की तसल्ली न कर ली गयी उन्हें अंदर नहीं घुसने दिया, तब तक सड़कें ही घर बनीं। अब कृषि–उद्योगों के पास नई नौकरियां नहीं हैं। अलबत्ता चंद राज्यों में, विधानसभा चुनावों की वजह से कुछ को वक्ती तौर पर पैसा, भोजन और दारू मिल जाएगी। राजनेता स्वास्थ्य–रोजगार के बारे में बात नहीं कर रहे। जादूगर की तरह पिटारे में मुफ्त का माल है, जो झांसा देकर भोले मतदाता का वोट हासिल करना चाहता है। लेकिन कोई भी ऐसा श्राष्ट्रीय आयोगग्य बनाने की बात नहीं कर रहा जो यह जांच करे कि पता होने के बावजूद केंद्र–राज्य सरकारों के कोविड प्रबंधन में कोताही से, खासकर कोविड के डेल्टा वेरिएंट से बनी दूसरी लहर में, हुई मौतों की जिम्मेवारी किसकी है। नहीं जनाब, उस वक्त तो हम विश्व में खुद को सर्वश्रेष्ठ बताकर एक–दूसरे की पीठ ठोकने में व्यस्त थे और जल्द ही लोग बड़ी संख्या में मरने लगे।

भ्रष्टाचार की नींव पर खड़ी है सपा: बृजलाल

देवरिया। भाजपा के राज्यसभा सदस्य व पूर्व डीजीपी बृजलाल ने कहा कि सपा गुंडे, माफिया व भ्रष्टाचार की नींव पर खड़ी है। सपा के शासनकाल में दलितों को प्रताड़ित किया जाता रहा है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की कन्नौज की जनसभा में की गई टिप्पणी को पुलिसवाले कभी नहीं भूलेंगे। सपा सरकार में पुलिस अधिकारी व कर्मी मानसिक दबाव में रहते हैं। सपा ने माफियावाद व आतंकवाद को बढ़ावा दिया है। वह शहर से सटे दानोपुर, हाटा व पैकौली दलित बस्ती में भाजपा प्रत्याशी शलभ मणि त्रिपाठी के समर्थन में आयोजित चौपाल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा किसी राजनीतिक व्यक्ति को शोभा नहीं देती। अखिलेश जिस तरह से जनसभा में संदेश देने की कोशिश कर रहे थे। उससे साफ है कि उनकी सोच तानाशाह जैसी है। अखिलेश को यह याद रखना चाहिए कि वह प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं। लिहाजा उनकी भाषा मर्यादित होनी चाहिए। जब नेता ऐसी भाषा बोलेगा, तो उनके कार्यकर्ताओं का व्यवहार कैसा होगा, इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दलित वर्ग का सम्मान केवल भाजपा में है। मायावती ने दलितों को अपने वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर अपना घर भरा। बिना पैसे वाला बहनजी से नहीं मिल सकता। भाजपा ने दलितों के आराध्य बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर को सम्मान दिया। दलित वर्ग बसपा, सपा व कांग्रेस की चाल को समझ चुका है और पूरी ताकत से भाजपा के साथ खड़ा है। इस दौरान अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष राजन सोनकर, रामप्यारे डाक्टर, अतुल पासवान, संजय सिंह, हरेंद्र प्रसाद, नथुनी प्रसाद, विजय कुमार, नवीन कुमार, विपिन प्रसाद, राजन प्रसाद, संजय कुमार, राहुल कुमार, बेचन शास्त्री, सन्नी प्रसाद, राजन प्रसाद आदि मौजूद रहे।

भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के लिए किए कार्य: फग्गन सिंह कुलस्ते

देवरिया। केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आदिवासी समाज, वंचितों, शोषितों, गोंड व खरवार जाति के विकास के लिए जितना कार्य भारतीय जनता पार्टी ने किया है। उतना कार्य किसी भी सरकार ने नहीं किया। मैं आदिवासी समुदाय से आता हूं। भाजपा ने मुझे केंद्रीय राज्य मंत्री बनाकर जो सम्मान दिया है, उसके लिए हमारा समाज सदैव ऋणी रहेगा। वह . पथरदेवा में भाजपा प्रत्याशी सूर्यप्रताप शाही के समर्थन में आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया के खिलाफ कड़े कदम उठाए, जो सराहनीय हैं। प्रदेश में माफियाराज का अंत हुआ। माफिया बिल में घुस गए। पिछली बार भाजपा सरकार में मुझे केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई थी। उसी कार्यकाल में पूरे यूपी में 17 मेडिकल कालेज खोलने की अनुमति मैंने प्रदान की थी। इन मेडिकल कालेजों में हमने डाक्टरों की संख्या भी बढ़ा दी। पूरे प्रदेश में डाक्टरों की कहीं कोई कमी नहीं होगी। यह निर्णय सरकार ने कोरोना को देखते हुए लिया। भाजपा सरकार में गरीबों, दलितों के लिए आवास, पेंशन, शौचालय योजना की शुरुआत की गई। जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय गोंड ने कहा कि सपा शासन में गरीबों, पिछड़ों व महिलाओं पर अत्याचार हुए।अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों का सपा सरकार में जीना दुश्वार था। भाजपा की योगी सरकार में हम सुरक्षित रहे। संचालन भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजू गोंड़ ने किया।

मतदान के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

महराजगंज । मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जवाहर लाल नेहरू स्मारक पोस्ट ग्रेजुएट कालेज में छात्रों द्वारा नुक्कड़–नाटक, मतदाता गीत और भाषण सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि डीएम सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि मतदान का अधिकार स्वप्राप्त नहीं है। यह एक कठिन संघर्ष से प्राप्त हुआ है और कठिन तपस्या से ही सुरक्षित रखा जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हम एक जागरूक नागरिक बने। वोट का प्रयोग बेहद सतर्कता के साथ करें, उसी प्रत्याशी को चुनना चाहिए जो बेहतर हो। यदि हम ऐसा करते हैं, तभी इस लोकतंत्र को बचा सकेंगे। उन्होंने छात्रों को सुझाव दिया कि हनुमान टोली के रूप में घर–घर जाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें, ताकि कोई मतदाता छूटने न पाए। जिला विद्यालय निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण और खूबसूरत पक्ष मतदान करने का अधिकार है। इसलिए इसका प्रयोग जरूर करें। उन्होंने कहा कि प्रायरू नई बहुओं को मतदान के लिए हतोत्साहित किया जाता है। इस स्थिति को बदलने की आवश्यकता है, ताकि वे भी लोकतंत्र की सहभागी बन सकें। कालेज के प्रबंधक बलराम भट्ट ने कहा कि सभी छात्र, छात्राएं अपने आस–पास के लोगों को तीन मार्च को मतदान के लिए प्रेरित करें। कालेज के प्राचार्य डा. दिग्विजयनाथ पांडेय ने कहा कि स्वयं वोट करें और अन्य लोगों को इसके लिए प्रेरित भी करें। इससे पहले कॉलेज के प्राचार्य ने डीएम को पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। डीएम ने सिग्नेचर वाल पर हस्ताक्षर कर लोगों को मतदान का सुझाव दिया। नुक्कड़ नाटक का मंचन कर मतदान के प्रति जागरूक किया गया। संचालन डा. दिवाकर सिंह ने किया। कालेज के डा. विजय शंकर सिंह, डा. विजय आनंद, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी समेत शिक्षक, छात्र– छात्राएं उपस्थित रहे।

माफिया–अपराधियों को संरक्षण देना सपा की मूल नीतिःपूर्व डीजीपी बृजलाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। विकास का महत्व तभी हे जब कानून व्यवस्था ठीक हां और योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण विकास करने के साथ ही लोगों में यह विश्वास भी जगाया कि उनके शासन में सभी लोग सुरक्षित है। उक्त बातें राज्यसभा सदस्य एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक बृजलाल ने शुक्रवार को एक प्रेस कान्फ्रेंस में गोरखपुर में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कही। उन्होनें समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि आतंकियों की पैरवी और माफिया–अपराधियों को संरक्षण देना सपा की मूल नीति रही है। पूर्व के सपा सरकार में निर्दोषों की जान लेने वाले आतंकवादियों को छुड़ाने के लिए कोर्ट में पैरवी करने और माफिया को माननीय बनाने के अनेक तथ्य इसकी तस्दीक करते हैं। उन्होंने कहा कि अपने 37 वर्ष से अधिक पुलिस सेवा में उन्होंने पहली बार अपराधियों पर कठोरतम कार्रवाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन में देखी है। सीएम ने सुरक्षा का माहौल बनाया तो यूपी में विकास की गंगा बहने लगी है। पूर्व डीजीपी ने 31 दिसम्बर 2007 को रामपुर सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले, मई 2007 के गोरखपुर सीरियल ब्लास्ट, 23 नवम्बर 2007 को लखनऊ, वाराणसी व अयोध्या कचहरी के बम ब्लास्ट, संकटमोचन मंदिर, शीतलाघाट दशाश्वमेध घाट आदि स्थानों पर हुए आतंकी हमलों का सिलसिलेवार उल्लेख करते हुए

कहा कि इस सभी घटनाओं में पकड़े गए आतंकियों के खिलाफ चार्जशीट दायर होने के बावजूद कोर्ट से रिहा कराने के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार ने जी तोड़ कोशिश की लेकिन अदालत ने सपा के मंसूबों को पूरा नहीं होने दिया। अदालत को सपा सरकार के खिलाफ तल्ख टिप्पणी तक करनी पड़ी कि आतंकियों के खिलाफ मुकदमे वापस लेना कौन सा जनहित है। अब आतंकियों की पैरवी की बजाय सख्ती हो रही है तो अलग अलग घटनाओं में फांसी से लेकर उम्र कैद तक की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा कि 18 मई 2013 को कोर्ट ले जाते वक्त एक आतंकी की अत्यधिक गर्मी से मौत होने पर अखिलेश यादव ने उनके, पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह समेत 42 पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करा दिया था। संदेश साफ था कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए सपा किसी भी हद तक जा सकती। बृजलाल ने कहा कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, विजय मिश्रा, डीपी यादव जैसे माफियाओं को माननीय बनाने का काम भी समाजवादी पार्टी ने ही किया। वोट की राजनीति के लिए ददुआ और ठोकिया जैसे डकैतों के परिवार को भी सपा ने ही माननीयों वाली कुर्सियां दीं। एक दौर तक एमपी, एमएलए, ब्लॉक प्रमुख, प्रधान के चुनाव में इन डकैतों की ही चलती थी लेकिन योगी सरकार में ऐसी हरकत करने की हिम्मत किसी मे नहीं है। पूर्व डीजीपी ने कहा कि सीएम योगी के शासन में अपराधियों की दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जमींदोज कर दी गई है। बड़े बड़े अपराधी बिलों में छिप गए हैं। इस चुनाव में बटला हाउस कांड में शामिल एक आतंकी का परिजन खुलेआम समाजवादी पार्टी का प्रचार कर रहा है लेकिन जनता जंगलराज कायम करने के सपा के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि सपा सरकार ने ही दलितों का सबसे अधिक शोषण किया है। जबकि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सबका साथ – सबका विकास के मूल भावना पर चलते हुए 43 लाख आवासों का निर्माण कराया जिसमें सर्वाधिक दलित और मुस्लिमों को आवास आवंटित हुए है। दलित वर्ग योगी आदित्यनाथ के शासन में ही अपने आप को सर्वाधिक सुरक्षित महसूस कर रहा है इसलिए दलित वर्ग के लोग भाजपा के साथ आए हैं और भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है।

मतदाताओं में जागरूकता के लिए बच्चों ने ली शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

उरुवा/गोरखपुर। बीएसएन ग्लोबल स्कूल बेलाव उर्फ शाहपुर के

तत्वावधान में शुक्रवार को मतदाताओं में जागरूकता के लिए बच्चों ने शपथ लिया। विद्यालय के निदेशक जे.के.जायसवाल ने विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता के तहत आगामी तीन मार्च को सभी अपने अभिभावको पड़ोसियों व अपने शुभचिंतको को प्रेरित कर मतदान केंद्र पर पहुंचाकर मतदान करवाने की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने शपथ लेते हुए कहा कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे। तीन मार्च को सुबह अपने माता–पिता, परिवार, आस पड़ोस व शुभचिंतकों प्रेरित कर मतदान केंद्र पर भेजेगें। उन्हें कहेंगे कि पहले मतदान करें,फिर जलपान करें। उन्हें हम बताएंगे कि वे किसी भी प्रलोभन में न पड़े निडर होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। जिससे सशक्त राष्ट्र का निर्माण हो सके। विद्यालय निदेशक ने अपने सम्बोधन में कहा कि हर व्यक्ति के लिए मतदान करना जरूरी है। क्योंकि आम आदमी का एक वोट ही सरकारें बदल देता है। मतदाता लोकतंत्र की रीढ माना जाता है। मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर एक सुयोग्य एवं मजबूत सरकार का गठन कर सकता है। इस अवसर पर कुसुम, चंद्रमति यादव, वर्षा श्रीवास्तव, दीपक सिंह, आदि मौजूद रहें।

यूक्रेन की राजधानी कीव में फंसे हैं मेडिकल छात्र सुनील

देवरिया। देसही देवरिया के बेलवा बाजार के रहने वाले मेडिकल छात्र सुनील मद्धेशिया यूक्रेन की राजधानी कीव में एयरपोर्ट पर फंसे हैं। उनकी फ्लाइट रद हो गई है। यूक्रेन में भारतीय राजदूत के संपर्क में हैं। उन्हें भारत वापसी का आश्वासन मिला है। सुनील मद्धेशिया यूक्रेन के खारकिव शहर में स्थित वीएन कारजिन खारकिव नेशनल यूनिवर्सिटी से वर्ष 2017 से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। उनका अंतिम वर्ष है। वह चार मई 2021 को यूक्रेन से गांव आए थे। उसके बाद 24 अगस्त 2021 को वापस यूक्रेन चले गए। उन्होंने बातचीत में बताया कि सुबह 9.50 बजे यूक्रेन की राजधानी कीव से फ्लाइट पकड़नी थी। इसके लिए खारकिव शहर से राजधानी कीव के लिए शाम पांच बजे चला। रात करीब एक बजे हम एयरपोर्ट पर पहुंचकर सुबह भारत जाने वाली फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे। तभी सुबह करीब पौने पांच बजे रूस ने यूक्रेन पर बमबारी शुरू कर दी, जिसके बाद सभी उड़ानों को रद कर दिया गया। हम लोगों को एयरपोर्ट से बाहर निकाल दिया गया। बाद में भारतीय राजदूत आए और हमें एक कमरे में ले गए। रात में हमने रोटी व सब्जी बनाकर लाया था। जिसे खाकर हमने काम चलाया है। माहौल काफी खराब है। राजदूत ने भोजन का इंतजाम कराने को कहा है। सुबह करीब 11 बजे अपने बड़े भाई ग्राम प्रधान मनोज मद्धेशिया से फोन पर बातचीत हुई है।

सरकार की उपलब्धियां गिनाकर मांगा वोट

देवरिया। रुद्रपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी व सूबे के पशुधन एवं मत्स्य राज्यमंत्री राज्यमंत्री जयप्रकाश निषाद सुबह सात बजे अपने लक्ष्मीपुर आवास से स्नान करने के बाद बाहर निकलते हैं। वहां मौजूद समर्थकों व अन्य लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र की स्थिति की जानकारी लेते हैं। इसके बाद वह सीधे बाबा दुग्धेश्वर नाथ मंदिर पहुंचते हैं और जलाभिषेक करने के बाद वह क्षेत्र भ्रमण के लिए निकलते हैं। सबसे पहले वह चुनाव कार्यालय पहुंच कर कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर दिन भर की चुनावी रणनीति तैयार करते हैं। इस दौरान वह देवेंद्र सिंह से बात कर संगमधर द्विवेदी, राजीव गुप्ता व अनिरुद्ध चौधरी को गाड़ी में लेकर जद्दू परसिया पहुंचते हैं। यहां प्रदेश व केंद्र सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों को लोगों के समक्ष गिनाते हैं। बरडीहा दल में अंबिकेश पांडेय मिलकर गांव में चल रही चुनावी गतिविधि के बारे में जानकारी लेते हैं। अंबिकेश बोल पड़ते हैं, मंत्रीजी, यह गांव आपका है। इस बीच मालती देवी आ जाती हैं, जिनके सामने हाथ जोड़कर मंत्री बोलते हैं, भाभी जी तीन मार्च के याद रखब। आप लोगन पर भरोसा बा। इसके बाद आगे निकल पड़ते हैं।

रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी पुष्पा शाही ने किया जनसंपर्क

देवरियारू रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी पुष्पा शाही सुबह सात बजे अपने पैतृक गांव नौतन स्थित आवास से बाहर निकलतीं हैं, वहां मौजूद लोगों से चुनाव पर चर्चा करती है और फिर दिन भर के चुनाव प्रचार की रूपरेखा तैयार होती है। इसके बाद वह जनसंपर्क के लिए निकल पड़ती हैं। सबसे पहले वह लाला मुजहना में विनोद मद्धेशिया, संजय कुमार के घर पहुंचती हैं, जहां परिवार की महिलाओं से मुलाकात करती हैं और उन्हें गला लगाती हैं। वह कहती हैं कि इस बार आप लोग आशीर्वाद दीजिए, क्षेत्र में विकास कराऊंगी। इसके बाद बसपा के पक्ष में मतदान करने की बात कहते हुए गुद्दीजोर गांव के लिए निकल पड़ती है। यहां टुनटुन पांडेय, श्रीनारायण पांडेय के दरवाजे पर पहले से ही खड़े लोग उन्हें फुल का माला भेंट कर स्वागत करते हैं। आगे छोटेलाल के घर पहुंचती हैं। छोटेलाल से गांव की राजनीति की गुणा–गणित जानती हैं। इसके वह आगे बढ़ जाती हैं। आगे चलने पर उनकी मुलाकात मालती से होती है। वह मालती से कहती हैं दीदी ऐ बेरी रऊरे पर गांव के जिम्मेदारी बा। इसके बाद वह कार्यालय को निकल पड़ती है।

देवरिया से सपा प्रत्याशी अजय प्रताप सिंह उर्फ पिटू ने मांगा जन समर्थन

देवरिया। देवरिया विधानसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी अजय प्रताप सिंह पिटू अपने दो वाहनों के साथ सुबह में 8.30 बजे नवीन सब्जी मंडी पहुंचते हैं। यहां पहुंचते ही सपा कार्यकर्ता नारा बुलंद करते हैं। गब्बर, समीम, असलम, नौशाद आदि फल व्यवसायी उनका माल्यार्पण कर स्वागत करते हैं। वह दुकानदारों से अपने पक्ष में मतदान की अपील करते हैं। दुकानों पर मौजूद गुड्डू, अवधेश, सज्जन से कहते हैं आप लोग पुराने साथी हैं। पिता के अधूरे सपने को पूरा करने व देवरिया के संपूर्ण का विकास करना है। इसके बाद वह दानोपुर रवाना होते हैं, जहां शांति देवी रास्ते में मिलती हैं, कहते हैं चाची आशीर्वाद चाही, वह पैर छूकर महिला से कहते हैं हाथ सिर पर रख के हमके आशीर्वाद दीं। महिला सिर पर हाथ रखती है, कहते हैं इ भइल न बाति। पैदल आगे बढ़ने पर दरवाजे पर खड़ी सुधा देवी, रुदल यादव, ओमप्रकाश से हाथ जोड़ कर चुनाव चिह्न बता आशीर्वाद मांगते हैं। यहां सपा जिलाध्यक्ष डा. दिलीप यादव व सपा नेता अशोक यादव आदि पहुंचते हैं और कार्यकर्ता नारा बुलंद करते हैं। यहां से अवधेश यादव के दरवाजे पर पहुंच बीडीसी व प्रधानों के साथ बैठक कर रणनीति बनाते हैं।

प्रधान सेवक ने नहीं झुकने दिया देश का सिर

महराजगंज । पनियरा विधानसभा के परतावल बाजार में आयोजित जन चौपाल में बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा मंगल पांडेय ने लोगों को संबोधित किया। कहा कि राम भक्तों की प्रताड़ना पिछली सरकारों में होती रही। भाजपा ने रामराज्य स्थापित किया। राम राज्य में महिलाओं का सम्मान है। कोविड में जब सब चीजें बंद थी, तब हमारे प्रधान सेवक ने देश को झुकने नहीं दिया और न ही किसी गरीब का नुकसान हुआ। बीजेपी सरकार देश में 15 करोड़ नागरिकों को राशन दिया। भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेंद्र सिंह के पक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अब हाथ के साथ साइकिल पंचर हो रही है। सपा नेताओं के सपने में कृष्ण आने लगे हैं। यह बीजेपी की डबल इंजन सरकार है। आप लोग उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनाएं और जिस तरीके से इस सरकार में काम हुआ है , उसी तरह काम 2022 से लेकर 2027 तक भी जारी रहेगा। डा. राजेश चौधरी, रमाशंकर पासवान,हिमांशु, अंगद गुप्ता, काशीनाथ सिंह, आनन्द शंकर वर्मा, पनियरा वेद प्रकाश शुक्ला, उमेश गुप्ता, उपस्थित रहे।

आज खेत नहीं बचा पा रहे, तो कल देश भी नहीं बचा पाएंगे: भूपेश बघेल

देवरिया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधा। कहा कि यूपी में जब से भाजपा की सरकार आई है। छुट्टे जानवरों की समस्या बढ़ गई है। धर्म के नाम मवेशी का धंधा बंद कर दिया गया। अब जानवर खेत में हैं। पढ़ने वाले छात्र खेत की रखवाली कर रहे हैं। आज आप खेत नहीं बचा पा रहे, कल आप देश नहीं बना पाएंगे। यही बजरंगी कल गांव–गांव में दंगा कराएंगे। यह समस्या पैदा करने वाले लोग हैं। किसानों की समस्याओं का हल केवल कांग्रेस सरकार करती है। वह भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्र के बंगरा बाजार में कांग्रेस प्रत्याशी केशव चंद यादव और श्रीअनंत इंटर कालेज सतरांव में बरहज विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रामजी गिरी के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कहा कि छत्तीसगढ़ में समस्या का समाधान हो रहा है। छुट्टा जानवर के गोबर से कंपोस्ट खाद बनाते हैं। हमारे यहां से गोबर से लोग कमा रहे हैं। छुट्टे जानवरों से मुक्ति पाना चाहते हैं तो कांग्रेस का साथ दें। छुट्टा जानवर से परेशानी है। हम इसका समाधान 10 मार्च को करेंगे। चुनाव निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ में हवा चल रही है। गोवा भारतीय जनता पार्टी की सरकार गई। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि 10 तारीख को योगी को जनता मठ में बैठा देगी। उत्तर प्रदेश में चार चरणों का चुनाव हो गया। योगी अयोध्या से चुनाव लड़ने वाले थे। उन्हें अब गोरखपुर से लड़ाया जा रहा है। कहा कि मेरे ही नाम के सोनभद्र जनपद के भाजपा विधायक (भूपेश चौबे) पांच साल तक क्षेत्र का विकास नहीं किए और आज जनता से माफी मांगने के लिए उठक–बैठक कर रहे हैं। जनता की समस्याओं से इनका कोई लेना देना नहीं है। गुजरात माडल में सबकुछ संभव है। इंटर पढ़ने के बाद 12 में पढ़ाया जाता है। सीएम बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि मेरे गांव में सड़क, आवास, अस्पताल बननी चाहिए, यह सवाल मत पूछिए। छात्र तैयारी कर रहे हैं, परीक्षा के दौरान यहां पेपर लीक हो जा रहा है। परीक्षा भी हो रही है तो न्यायालय पहुंच जा रहे है। गांव का विकास होगा या नहीं, गांवों के युवाओं को रोजगार को मिलेगा की नहीं, महिलाओं का सम्मान होगा या नहीं। आपका एक वोट यह तय करेगा। आजादी के आंदोलन के दिनों में इनके पूर्वज अंग्रेजों के पक्ष में खड़े थे। यह अंग्रेजों की नीतियों पर चलते हैं। फूट डालो और राज करो इनकी नीति है। आज कहते हैं हिदू खतरे में है। चुनाव समाप्त होने के बाद खतरा टल जाता है। समाज को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस काम करेगी। किसानों का सम्मान करेगी। हम लड़ाने वाले नहीं, काम करने वाले हैं। हम समाज जोड़ने का काम करते हैं। यह चुनाव भविष्य तय करने वाला है। कहा कि सपा के बारे में क्या बोलूं। अखिलेश यादव किसानों की समस्याओं की बात नहीं कर रहे हैं। कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो 2500 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं व धान की खरीदारी होगी। प्रधानमंत्री कहते हैं कि खाद्यान्न दिया, नमक दिया। नमक का फर्ज अदा कराना चाहते हैं। चुनाव के बाद आपको खाद्यान्न नहीं मिलेगा। यूपी की सरकार कोरोना काल में दवा व आक्सीजन तक उपलब्ध नहीं करा सकी। डीजल व पेट्रोल के दाम में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। सात तारीख के बाद डीजल में वृद्धि गैस मूल्य में वृद्धि होगी। यूपी से जा रही है भाजपा की सरकारः सतरांव की जनसभा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बाबा राघवदास को याद किया। कहा कि यह देवरहा बाबा की धरती है। यहां बाबा राघवदास, पं.रामप्रसाद बिस्मिल की समाधि है। जहां सड़कों में गड्ढा मिले, तो समझ लें कि हम बरहज आ गए। यहां एक सड़क बीस साल से बन रही है। जो कुछ था उसे छीन लिया गया। यहां सबसे अधिक चीनी मिलें थीं। चीनी मिलें बंद हो गईं। किसान मजबूरी में समर्थन मूल्य से आधे दाम पर गन्ना बेच रहे हैं। पीएम मोदी किसानों की आय कैसे दोगुनी करेंगे। यहां गन्ना उत्पादन सबसे ज्यादा होता था। आज केवल एक फैक्ट्री है। अब केवल धान व गेहूं की फसल तैयार हो रही है। उन्होंने संवाद शैली में पूछा कि क्या किसी के खाते में मोदी जी का 15 लाख आया, रोजगार मिला। यह तो जुमले हैं। केवल जुमला देते हैं। क्या किसी के खाते में काला धन वापस आया है। युवाओं को रोजगार मिला। भाजपा सरकार ने कुछ नहीं किया। जो था उसे भी छीन लिया गया है। मुख्यमंत्री बघेल ने चुटकी लेते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री कहते हैं कि बारह के बाद जो इंटर पढ़ेगा, उसे लैपटाप देंगे। पीएम मोदी चौबीस घंटे सोते हैं। तब गरीबों का भला होता है। केंद्रीय गृह मंत्री की जुबान लड़खड़ाने लगी है। उन्हें लग गया है कि यूपी में उनकी सरकार जा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि खेतों में घुमने वाले पशुओं को गोरखपुर मठ भेज दीजिए। बंगरा में राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी, झारखंड के मंत्री रामकुमार यादव, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष गुंजन पटेल, महिला पिछड़ा प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष गुंजा सिंह, संजय गुप्ता, पारसनाथ, सिद्धार्थ कुशवाहा व सतरांव में छत्तीसगढ़ की मंत्री डा. लक्ष्मी ध्रुव समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

देश के भविष्य को शिक्षा के साथ सेहतमंद होना जरूरीः फादर अरुण मौरिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ सेहतमंद होने के लिए उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण होना जरूरी है इसके लिए विद्यालयों को प्रत्येक महीने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराना चाहिए यह बातें फातिमा स्कूल के प्रिंसिपल फादर अरुण मोरिस ने कही है फातिमा स्कूल में 3 दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया शिविर में बच्चों का ब्लड ग्रुप की जांच के साथ उनके अन्य बीमारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया कैंप में 900 बच्चों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बच्चों को निशुल्क दवाइयां व हेल्थ टॉनिक दिया गया है स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ विद्यालय बलरामपुर चीनी मिल ग्रुप मैनेजर राजीव अग्रवाल सिंह रहे हैं स्वास्थ शिविर का आयोजन फरियाद फाउंडेशन के

● फातिमा स्कूल में तीन दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

● फातिमा स्कूल में चिकित्सक टीम के साथ बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

बतौर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि वेलफेयर अधिकारी एसपी संस्थापक डॉक्टर रसूल अख्तर एवं डॉक्टर सना फरीन ने किया है स्वास्थ शिविर में मुख्य अतिथि ने कहा कि फरियाद फाउंडेशन की पहल सराहनीय है उन्होंने फातिमा स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा विद्यालय के बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षण कार्य देने की सराहना करते हुए सदैव अपेक्षित सहयोग देते रहने की बात कही है विशिष्ट अतिथि ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ स्वस्थ रखना भी विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है ऐसे में स्वास्थ शिविर का आयोजन निश्चय ही बच्चों के सेहत के लिए अच्छी पहल है फाउंडेशन संस्थापक ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ उन्हें स्वस्थ रखना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है इसी उद्देश्य के तहत तीन दिवसीय स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया है स्वास्थ शिविर में बच्चों का ब्लड ग्रुप के साथ सामान्य परीक्षण आंख स्क्रीन सर्दी जुखाम सहित अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई है साथ ही साथ बच्चों को बीमारी के अनुरूप निशुल्क दवाइयां व स्वास्थ्य टानिक दिया गया है विद्यालय प्रिंसिपल अरुण मौरेस ने आए हुए अतिथियों सहित फाउंडेशन संस्थापक व स्वास्थ्य टीम को स्मृति चिन्ह अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया है उन्होंने कहा कि स्कूल कार्यक्रम में बीसीएम यूनिट जीएम एवं वेलफेयर अफसर के साथ स्वास्थ्य टीम ने अपना अमूल्य समय देकर बच्चों के हितार्थ जो कार्य किया है उसके लिए विद्यालय परिवार आभारी है इस दौरान विद्यालय की अध्यापिका सिस्टर कस्पर रानी आशीष कुमार कुसुम तिवारी उपेंद्र त्रिपाठी अतुल श्रीवास्तव संदीप श्रीवास्तव अनीता यादव आदि शिक्षक शिक्षिकाएं स्वास्थ शिविर में सहयोगी की भूमिका अदा की है विद्यालय प्रिंसिपल ने कहा कि ऐसे आयोजन से ना केवल बच्चों को सेहतमंद होने का अवसर मिलेगा बल्कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से बीमारियां भी दूर रहेंगे।

अवकाश प्राप्त सैन्य अधिकारी ने बच्चों में जगाया देशभक्ति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर में सेना के रिटायर्ड सुबेदार मेजरश् विनोद कुमार द्विवेदी ने प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को संबोधित किया। सर्वप्रथम प्राचार्य राजकुमार ने करतल ध्वनि के बीच पुष्प गुच्छ प्रदान कर सैन्य अधिकारी का स्वागत किया। तत्पश्चात विविध कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संयुक्त रूप से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन के द्वारा रिटायर्ड सैन्य अधिकारी विनोद कुमार द्विवेदी ने बच्चों में देशभक्ति की भावना का संचार करते हुए एन सी सी के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

ग्यारहवीं की छात्रा अंशिका ने राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पित सैनिकों के सम्मान में एक ओजस्वी भाषण दिया। धर्मशिक्षिका गीता चतुर्वेदी ने देशभक्ति से परिपूर्ण एक गाना गाया। प्राचार्य राजकुमार ने धन्यवाद ज्ञापन के दौरान बताया कि डीएवी रिहंदनगर के कई छात्र एन डी ए, सी डी एस, एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर राष्ट्र की रक्षा में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवकाश प्राप्त सैन्य अधिकारी को अपने बीच पाकर विद्यार्थियों में एक नये उत्साह का संचार दिख रहा है। विश्वास है कि आने वाले समय में बहुत से विद्यार्थी सैन्यअधिकारी का पद ग्रहण कर राष्ट्र की रक्षा में योगदान देंगे। राष्ट्रगान के बाद प्रार्थना सभा का समापन किया गया।भारत माता की जय और वंदेमातरम् के उद्घोष से पूरा वातावरण गूंजायमान हो गया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक बृजराज शर्मा, डॉ आर के झा, विजय तिवारी, डॉ राजेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ डी लाल, मनोज पांडे, भक्तरंजन, प्रेमलता, आर एल शेषण के साथ साथ पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

एनएसएस सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन स्वच्छता अभियान

स्वच्छता को अपनाना है गन्दगी को भगाना है

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। नगर के राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन शिविरार्थीयों ने प्रातःकाल नित्य क्रिया से निवृत्त होने के बाद शिविर के प्रांगण को स्वच्छ किया, तत्पश्चात प्रार्थना, व्यायाम, नास्ता, चाय के बाद शिविर स्थल प्राथमिक विद्यालय, खैरेटिया, ओबरा, सोनभद्र से तीनों इकाइयों के शिविरार्थी समूह में स्वच्छता सम्बन्धी नारे जैसे–स्वच्छता को अपनाना, गंदगी को भगाना है, स्वच्छता को अपनाना है, कोरोना को भगाना है, स्वच्छता को अपनाना है, राष्ट्र को स्वस्थ बनाना है इत्यादि नारे लगाते हुए चयनित ग्राम खैरेटिया पहुँचे और वहाँ पहुँचकर सड़क के किनारे लगे पेड़ो को मिट्टी चढ़ाया व आसपास पड़ी गंदगी को साफ किया ,शिविरार्थियों ने नुक्कड़ ,नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। तत्पश्चात वापस शिविर में आकर शिविरार्थी भोजन किये फिर बौद्धिक गोष्ठी का हुआ। आज के बौद्धिक गोष्ठी के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ सुनील कुमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना व स्वच्छ भारत अभियान विषय पर बहुत ही विस्तार से शिविरार्थियों को बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमूल्य कुमार सिंह ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ महीप कुमार ने मुख्य वक्ता डॉ सुनील कुमार का स्वागत किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम अधिकारी डॉ विभा पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दुष्कर्म के दोषी जगतनारायण को 10 वर्ष की कैद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व आटा चक्की पर जाते समय 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीशध विशेष न्यायाधीश पॉक्सो सोनभद्र पंकज श्रीवास्तव की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी जगत नारायण खरवार को 10 वर्ष की कैद एवं एक लाख 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि एक लाख 500 रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक म्योरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने 14 दिसंबर 2018 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 13 दिसंबर 2018 को रात्रि 6–7 बजे उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी आटा चक्की पर आटा लेने जा रही थी।

तभी रास्ते में म्योरपुर थाना क्षेत्र के सोढो गांव निवासी जगत नारायण खरवार पुत्र मनराज खरवार ने जबरन दुष्कर्म किया। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर जगत नारायण खरवार के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी जगत नारायण खरवार को 10 वर्ष की कैद एवं एक लाख 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की समूची धनराशि एक लाख 500 रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश अग्रहरि एवं सत्य प्रकाश त्रिपाठी एडवोकेट ने बहस की।

राम गिरीश राय महाविद्यालय दुबौली में मतदाताओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला क्षेत्र के राम गिरीश राय महाविद्यालय

दुबौली में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 में मतदाताओं की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु महाविद्यालय परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और साथ ही आगामी 3 मार्च को होने वाले चुनाव में मतदान करने की सपथ के साथ ही जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली को महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ विनय राय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना कीया। रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अंजली राय एवं कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक शाही ने किया। रैली कॉलेज के मुख्य द्वार से निकल कर हरौली, दुबौली, रामनगर, जानीपुर, होते हुए कॉलेज वापस पहुँची। समस्त छात्र–छात्राओं के हाथ में स्लोगन लिखी दपफ्तियां थी। पहले मतदान फिर जलपान, सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो, हमारा मतदान लोकतंत्र की जान आदि और साथ ही नारे लगाते हुए स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं ने रास्ते मे पड़ने वाले दुकानदारों और राहगीरों को मतदान के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में रणधीर सिंह, डॉ सरिता राय, डॉ प्रियंका चतुर्वेदी, सूर्यपाल सिंह, मंजुवादिनी सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, सुनील कुमार, विनोद ओझा, रवि चौरसिया सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

थाना प्रभारी ने पुलिस बल ठहराव स्थल का किया निरीक्षण

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। कस्बा के किसान इंटर कालेज पर

चुनाव में सुरक्षा के लिए पुलिस बलों का ठहराव स्थल बना है। एसओ उसका शतीश कुमार सिंह ने शुक्रवार को स्कूल परिसर में सफाई,पेयजल, प्रकाश व्यवस्था का निरीक्षण किया है।

भाजपा के मण्डल अध्यक्ष ने भाजपा प्रत्याशी के लिए मांगे वोट

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार में भारतीय जनता पार्टी के

मण्डल अध्यक्ष जगदीश जायसवाल ने कपिलवस्तु विधानसभा प्रत्याशी श्यामधनी राही के समर्थन वोट मांगे. कई गांवों में जाकर लोगों से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन देने वोट देने की अपील की। मण्डल अध्यक्ष ने लोगों से पुनः प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया। गांवों में लोगों से जनसंपर्क करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रदेश में भ्रष्टाचार एवं माफिया राज को समाप्त किया है। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी निरंतर संकल्पित हैं। विधानसभा कपिलवस्तु के मण्डल मीडिया प्रभारी पवन कुमार ने सेमराहना उटिया, जयपुर तमाम ग्रामीण में भ्रमण के दौरान लोगों को से कहा कि उत्तर प्रदेश आज निरंतर विकास के मार्ग पर चल रहा है। योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में गुंडा एवं माफिया राज को पूर्णतया खत्म किया गया है। प्रदेश के बड़े बड़े गुंडा एवं माफियाओं की अवैध संपत्ति पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बुलडोजर चलाने का काम किया गया है।

समाज और राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा पं दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान गोरखपुर में शुक्रवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संयोजक राजकुमार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र व समाज के लिए समर्पित कर दिया। किन्तु यह दुर्भाग्य है कि पिछली सरकारों ने ऐसे महापुरुष की उपेक्षा करते रहे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मान्यता है कि व्यक्ति अपने स्वहित से प्रेरित होकर अपने दायित्व का निर्वहन करता है। लेकिन उसकी यह क्रियात्मक यात्रा व्यक्ति से समष्टि की ओर होती है। यह तभी संभव है जब वह हित तथा देश हित के लिए समाज हित छोड़ दे।मानव जीवन का अभीष्ट मात्र भौतिक नहीं है। यह जीवन यापन का साधन हो सकता है, साध्य नही। हमारे सभी कार्य धर्म प्रेरित होना चाहिए, अर्थात लाभ प्राप्त करने में शुभ का ध्यान होना चाहिए। आपके

यह विचार मानव जीवन के उत्कर्ष एवं विकास के लिए आज भी प्रासंगिक है। हमे इससे प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र निर्माण में अपने योदन देने के लिए संकल्प लेना होगा। शोध संस्थान के सह संयोजक मधुकर राय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को साकार रूप देने में वर्तमान सरकार की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।इस सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्श को आत्मसात करते हुए समाज मे अंतिम व्यक्ति के उत्कर्ष एवं विकास के लिए काम किया है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए किसानों की हरी फसल काटना दुखदः रणवीर यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

देवरिया। समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि देवरिया जनपद के सोनूघाट के पास सोन्दा ग्राम सभा मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए किसानों की 6 एकड़ हरी फसल काटना किसानों का घोर अपमान एवं किसानों के पेट पर लात मारने के बराबर है। भाजपा नेताओं के इशारे पर जिला प्रशासन किसानों का उत्पीड़न कर रहा है। भाजपा चुनाव आचार संहिता लगने के बाद भी किसानों का उत्पीड़न कर रही है भाजपा सरकार पूरी तरह से किसान विरोधी तथा लोकतंत्र की हत्या करने पर तुली हुई है। भाजपा सरकार में जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के उत्पीड़न, महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार से त्रस्त हो गई है। जनता भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने को तैयार है। 3 मार्च को प्रदेश की जनता भाजपा को उखाड़ फेंकने का कार्य करेंगी।

फिल्म अभिनेता सीपी भट्ट ने किया मतदाता जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सहजनवा/गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक पाली खण्ड के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओ द्वारा विभिन्न न्याय पंचायतों मे मतदान के लिए जागरूक किया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बैठक में सभी पदाधिकारी मौजूद रहे प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य रवि ने राष्ट्रवादी पार्टी को अपना मतदान करना है जो देश के हित में कार्य करें फिल्म अभिनेता सीपी भट्ट ने कहा जाति धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्र भावना ओतप्रोत होकर अपने हिंदू संस्कृत के नाम पर पुनः रामराज्य लाने के लिए अपना मतदान करें सभी लोग अपने मतदान को समझे आपका एकमत आपके भविष्य का निर्माण करेगा आप कैसे समाज में रहना चाहते हैं आपकी एक मतदान महत्व यह है अपने देश में चारों तरफ रक्षा मजबूत करना चाहते हैं या आताताइयों के बीच में आप अपराधिक समाज से मुक्त होना चाहते हैं या अपने बच्चों को अपराधी बनाना चाहते हैं मतदाता जागरूकता अभियान को संबोधन करते हुए सीपी भट्ट ने कहा लोकतंत्र के इस पर्व में हमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और राष्ट्रहित में मतदान करना चाहिए।

व्यापार मंडल ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 6 सदस्यीय कोर कमेटी का गठन किया

.व्यापार मंडल शत–प्रतिशत मतदान के लिए लिया शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज में व्यापार मंडल की मासिक बैठक शुक्रवार को एक होटल में आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारियों की सहमति से जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता के नेतृत्व में 6 सदस्यीय कोर कमेटी का गठन किया गया और वही विधानसभा चुनाव में सत प्रतिशत मतदान हेतु सभी पदाधिकरीयो ने सपथ ली। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में व्यापार मंडल हेल्प लाइन की शुरूआत करने जा रहा है जिसमे कि 60 वर्ष से ऊपर व विकलांग लोगो को सुगमता से मतदान केंद्रों तक जाने और मतदान करने में कोई कठिनाई न हो सके तथा जिले के सभी व्यापारियों से अपील की जाएगी कि जो भी ग्राहक उनके दुकानों पर आते है उन्हें व सत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करें।

शहर के गेस्ट हाउसों के पास नहीं है पार्किंग जिम्मेदार कौन ?

कौन देगा जवाब बिना पार्किंग के कैसे पास कर दिया गया नक्शा, क्या इसमें भी खेला गया खेल

सीतापुर। शहर के अधिकांश गेस्ट हाउसों के पास कोई भी पार्किंग व्यवस्था नहीं है। सैकड़ों की क्षमता वाले इन गेस्ट हाउसों में पार्किंग की व्यवस्था न होने के कारण राहगीर काफी परेशान होते हैं। क्योंकि गेस्ट सड़क के किनारों पर ही अपने वाहन खड़े कर देते है और घण्टों की जाम की स्थित लग जाती है। दहकता सवाल तो यह है कि जिम्मेदार अधिकारियों ने इन गेस्ट हाउसों के नक्शे पास कैसे कर दिये? क्या उनकी नियत में खोट थी या फिर गेस्ट हाउस के संचालकों ने नक्शे में छेड़छाड़ कर गेस्ट हाउस तो बनवा लिया लेकिन उसमें पार्किंग की व्यवस्था नहीं कीं। शहर में बिना पार्किंग के संचालित गेस्ट हाउस राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं। इन गेस्ट हाउस में आने वाले लोग अपने चार पहिया व दो पहिया वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं। बरातियों के डांस के बीच सड़क से निकलने वाले वाहन घंटों जाम फंसे रहते हैं।

ऐसे में गेस्ट हाउस संचालक और कार्यक्रम के आयोजकों के साथ ही प्रशासनिक जिम्मेदार भी लोगों की इस समस्या पर ध्यान नहीं देते। सीतापुर शहर में लगभग आधा सैकड़ा से अधिक गेस्ट हाउस संचालित हो रहे हैं। जिनमें कुछ गेस्ट हाउस को छोड़कर अधिकांश के पास पार्किंग की सुविधा नहीं है। ऐसे में इन गेस्ट हाउस में आने वाले लोग अपने वाहन बिना किसी रोकटोक के सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़े कर देते हैं। जिसके बाद यह लोग सड़क पर जाम की समस्या को भूल कर पार्टी का आनंद देने में जुट जाते हैं। शहर में संचालित कुछ नए गेस्ट हाउस का नक्शा पास कराया गया है। जिनमें पार्किंग दिखाई गई है, जिसका काफी हद तक कार्यक्रमों के दौरान उपयोग भी किया जाता है। इसके विपरीत शहर के अधिकांश गेस्ट हाउस काफी पुराने हैं, जिनका कोई नक्शा तक पास नहीं है। इन गेस्ट हाउस के संचालकों ने मानकों को दरकिनार कर नगर पालिका से अनुमति ले रखी है। इन गेस्ट हाउसों में सुरक्षा के भी कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है। ऐसे में अगर कोई हादसा हो जाए तो उसके बचाव के लिए भी यहां पर कोई संसाधन मौजूद नहीं हैं। फिलहाल प्रशासनिक लापरवाही के चलते गेस्ट हाउस संचालक पूरी मनमानी करते हैं और उसका खामियाजा राहगीरों को भुगतना पड़ता है। एक जानकारी में पता चला है कि पिछले पांच वर्षों में शहर में केवल तीन गेस्ट हाउस निर्माण के लिए सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय से नक्शे पास कराए गए हैं। इनमें गेस्ट हाउस के अंदर पार्किंग की सुविधा दी गई है। लेकिन अगर देखा जाए तो इन पांच सालों में शहर में लगभग एक दर्जन नए गेस्ट हाउस बने और उनका संचालन शुरू हो गया है।इन गेस्ट हाउस का कोई नक्शा नहीं पास कराया गया और न ही इनके पास पार्किंग की कोई जगह है। इन गेस्ट हाउस के संचालकों ने महज नगर पालिका से अनुमति लेकर धड़ल्ले से संचालन कर रहे हैं।

नियत सेवा दिवस के आयोजन के साथ होंगे नसबंदी ऑपरेशन

मिश्रिख पर लहरपुर सीएचसी क्षेत्र के लोगों को मिलेगा लाभ

सीतापुर। नसबंदी ऑपरेशन का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके जिले के दो सर्जन जल्द ही अपनी सेवाएं देना शुरू कर देंगे। उम्मीद है कि नसबंदी अपनाने वालों का ग्राफ बढ़ेगा। याह जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डा. मधु गैरोला ने दी। सीएमओ ने बताया कि मिश्रिख सीएचसी की डॉ. श्वेता सिंह और लहरपुर सीएचसी की डॉ सुकृति ने लैपलाइगेशन इंडक्शन ट्रेनिंग प्राप्त कर ली है। दोनों चिकित्सकों को शीघ्र ही नसबंदी शुरू करने के निर्देश भी दे दिए गए हैं। दोनों चिकित्सक अपने. अपने सीएचसी पर नियत सेवा दिवस का आयोजन कर नसबंदी ऑपरेशन करेंगी। डॉ गैरोला ने बताया कि लहरपुर सीएचसी के एक अन्य चिकित्सक डॉ गोविंद गुप्ता को भी शीघ्र ही इस विशेष प्रशिक्षण के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नसबंदी अपनाने वाली महिलाओं को अब लंबा इंतजार नहीं करना।

परिवार नियोजन के प्रति बढ़ी समझ ...

परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अफसर डा. एसके शाही ने बताया कि महिला नसबंदी परिवार नियोजन का एक स्थायी साधन है। परिवार नियोजन को लेकर लोगों की समझ बढ़ी है। इसी के चलते बीते वर्ष 3,229 महिलाओं ने नसबंदी कराई है। इसके अलावा परिवार नियोजन के अस्थायी और गर्भ निरोधक साधन अंतरा इंजेक्शन भी 5,229 महिलाओं ने लगवाया है। दो बच्चों के बीच अंतर रखने के लिए पीपीआईयूसीडी पोस्टमार्टम इंट्रायूटेराइन कंट्रासेप्टिव डिवाइस महिलाओं के लिए काफी सुरक्षित मानी जाती है। इसे प्रसव के 48 घंटे के अंदर लगाया जाता है। वहीं जरूरत होने पर इसको आसानी से निकलवाया जा सका है। अनचाहे गर्भ से लंबे समय तक मुक्ति चाहने वाली महिलाएं इसे बेहद पसंद करती हैं। बीते वर्ष 13,588 महिलाओं ने इस सेवा का लाभ लिया है। इसके अलावा आईयूसीडी सेवा का लाभ भी 6,834 महिलाओं ने लिया है।

मिलती है प्रतिपूर्ति राशि ...

परिवार नियोजन कार्यक्रम के प्रबंधक जावेद खान ने बताया कि नसबंदी कराने वाली महिलाओं को 2,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यदि महिला ने प्रसव के एक सप्ताह के भीतर नसबंदी कराई है तो उसे तीन तीन 3,000 हजार रुपये दिए जाते हैं। इसके अलावा नसबंदी कराने वाले पुरुष को 3,000 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यह धनराशि संबंधित लाभार्थी को बैंक खाता के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही अंतरा इंजेक्शन के लाभार्थियों को 100 रुपये दिया जाता है । आशा कार्यकर्ता को पुरुष नसबंदी पर 400 रुपये व महिला नसबंदी पर 300 रुपये और अंतरा इंजेक्शन पर 100 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती हैं।

अधर में लटक गई अमृत योजना अब मार्च के बाद मिलेगा पानी

जनता की आस पर फिरा पानी, लापरवाही व सुस्त चाल आ गयी आड़े

सीतापुर। शहर की जनता सपना देखा था कि घर को सरकारी पानी मिलेगा। क्योंकि क्रेन्द्र सरकार ने अमृत योजना को लेकर हर घर को पानी देने का वायदा किया। इस योजना को अंजाम तक पहुंचाने के लिये जनता को परेशानी उठानी पड़ी। सड़कों को खोदा गया पाइपे डाली गयी। लेकिन योजना पूरी नहीं हुई अधर में लटक गयी। अब पता चला है कि नगर के लोगों को पानी मार्च के बाद ही नसीब हो सकेगा। शहरी के हर घर में पानी पहुंचाने की योजना लटक गई है। अमृत योजना के तहत अभी तक करीब 80 फीसदी ही काम हो सका है। इस योजना पर करीब 40 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके है। सुस्त रफ्तार के कारण मार्च के बाद ही काम पूरा होने की उम्मीद है। ऐसे में शहरवासियों को पानी के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा।नगर पालिका सीतापुर का चार साल पहले अमृत योजना के तहत चयन हुआ था। इस योजना के तहत पूरे शहर को वाटर सप्लाई से जोड़ा जाना था। इसके तहत 128 किलोमीटर नई पाइप लाइन बिछाई जानी थी। जल निगम ने पूरे शहर को जोडने के लिए दो फेज में बांट दिया था। प्रत्येक फेज को छह जोन में बांटा है। पहले फेज में जहां पर कुछ तेजी से काम शुरू हुआ।इससे इस फेज में पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा हो गया है। दूसरे फेज की प्रगति अच्छी नहीं रही। इस फेज में 62 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाई जानी है। जिसमें अब तक महज 45 किलोमीटर की लाइन बिछ सकी है। 15 किलोमीटर पाइपलाइन डालना अभी बाकी है। दोनों फेज का काम मार्च 2021 तक पूर्ण होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इधर चुनाव के चलते अब पूरी प्रक्रिया ठप हो गई है। इससे अब यह काम मार्च माह तक पूर्ण होने के आसार नहीं दिख रहे है। इससे शहरवासियों को पानी के लिए अभी कुछ और इंतजार करना होगा। अपर जिलाधिकारी रामभरत तिवारी ने बताया कि अमृत योजना को शहर में जल्द पूर्ण कराया जाएगा। सीतापुर शहर के पहले फेज के पहले जोन में मुंशीगंज, जनकपुरी, तरीनपुर शामिल है। दूसरे जोन में मिरदहीटोला, चौबेटोला, शेखसरायं मोहल्ला है। दूसरा जोन ए में कोट, कोहना चौकी है। तीसरे जोन में टाउनहाल, प्रेमनगर, वैदही वाटिका है। चौथे जोन में लालबाग शामिल है। पांचवें जोन में सिविल लाइन, बैजनाथ कॉलोनी व ऑफीसर कॉलोनी शामिल हैं। छठे जोन में लक्ष्मनपुर व नवीन चौक इलाका शामिल है। यहां पर पाइप लाइन व जलाशय बन गए है। शहर को दूसरे फेज में छह जोन में बांटा जा चुका है। पहले जोन में लोहारबाग, ग्रीकगंज, दूसरे जोन में विजयलक्ष्मी नगर, आर्यनगर, घूरामऊ बंगला है। तीसरे जोन में सदर बाजार, सुदामापुरी व हुसैनगंज है। चौथे फेज में आवास विकास, बेगमबाग, पांचवें फेज में ग्वालमंडी, आनंद नगर व स्वरूपनगर है। छह जोन में इस्माइलपुर, खूबपुर, गल्ला मंडी व हेमपुरवा शामिल है। इस फेज में 45 किलोमीटर पाइप लाइन डाली जा चुकी है।अमृत योजना के तहत शहर में पाइप लाइन बिछाई गई है। इस दौरान कई जगहों पर सड़क को खोद के डाल दी गई। जलनिगम ने इन मार्गों को दुरुस्त कराने में रुचि नहीं ली। अब हाल यह है कि जिन मार्गों पर पाइनलाइन पड़ी है, वह मार्ग पूरी तरह से खराब हो गए है। इन मार्गों पर निकलना मुश्किल हो रहा है। इसकी बानगी के तौर पर शहर के विकास नगर मोहल्ले का मुख्य मार्ग है, जहां पर पैदल निकलना भी मुश्किल आए। मोहल्ले के लोग इस मार्ग पर प्रयोग न करके दूसरे रास्तों से घर जा रहे हैं।

एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर भुगतान करवाने की मांग की

सिधौली,सीतापुर। सिधौली विधानसभा में मतदान केंद्रों पर वेव कास्टिंग के लिए लगाए गए कैमरों के लिए दो दर्जन कैमरा ऑपरेटर्स द्वारा तय भुगतान न दिए जाने का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर भुगतान करवाने की मांग गई है। प्रशांत मिश्रा, रामबीर, विश्वजीत, रामकुमार, अनिरुद्ध कुमार, सौरव बाजपेई, फुरकान, जितेंद्र कुमार, संजय कुमार, नरेंद्र वर्मा, रवि कुमार, ललित कुमार, धर्मेंद्र, मनीष सहित दो दर्जन लोगों ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि यूपी विधानसभा के सामान्य निर्वाचन में बूथों पर वेबकास्टिंग के लिए कैमरे लगवा कर कार्य करवाया गया। जिसके लिए उनका आरोप है के तय भुगतान नहीं दिया जा रहा है। पीडिघ्तों का कहना है सुपरवाइजर द्वारा मात्र 2 कैमरों का 600 ही पेमेंट करवाया जा रहा है। जबकि पहले से ही 1500 रुपये दो कैमरा के तय किए गए थे। पीडिघ्तों ने दो कैमरों के हिसाब से भुगतान करवाए जाने की मांग उपजिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र देकर की है।

ध्वजारोहण के साथ मनाया गया स्वामी नारदानंद आश्रम का 92वां वार्षिक अधिवेशन

नैमिषारण्य,सीतापुर। तीर्थ स्थित स्वामी नारदानन्द आश्रम का 92वां वार्षिक अधिवेशन आश्रम के पीठाधीश्वर जगदाचार्य स्वामी देवेन्द्रानन्द सरस्वती की तत्वावधान में ध्वजारोहण के साथ आरम्भ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साधु संत एवं समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे। ध्वजारोहण के दौरान पीठाधीश्वर जगदाचार्य स्वामी देवेन्द्रानन्द ने आश्रम के संस्थापक स्वामी नारदानन्द के संस्मरण सुनाये। शिक्षा सुधार समिति के वरिष्ठ सदस्य और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मुनीन्द्र अवस्थी ने कहा कि आश्रम की इतनी वृहद व्यवस्था के संचालन में अनेकों व्यवधान आते रहते हैं। किंतु संतों के आशीष एवं मां ललिता की कृपा से सब सुचारु रूप से संचालित है और आश्रम की परम्परा इसी भांति आगे भी चलती रहे। इसके साथ ही उन्होंने आये हुये सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में स्वामी शास्वतानंद, स्वामी प्रभु प्रेमानंद फर्रुखाबाद, एसआर सिंह, आरएन त्रिपाठी, कैलाश दीक्षित, संजय शास्त्री, स्वामी विद्यानन्द सरस्वती, समिति के उपाध्यक्ष ठाकुर शिवराज सिंह, मंत्री राम दास पाठक, शांतिदेव त्रिपाठी, प्रधान पति विनीत मिश्रा, आचार्य सर्वेश शास्त्री, आचार्य मुकुंदराम, साध्वी मुमुक्षा देवी, राज नारायण पाण्डेय, आचार्य राम भजन मिश्र समेत बड़ी संख्या में साधु संत, ब्रह्मचारी व श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के वचन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

नियमित टीकाकरण से छूटे नवजातों का घर-घर सर्वे शुरु

कानपुर। नियमित टीकाकरण से छूटे ऐसे बच्चे, जिनका जन्म 20 फरवरी, 2020 के बाद हुआ है या जिनकी आयु 2 वर्ष से कम है और ऐसी गर्भवती महिलाएं, जो टीकाकरण से छूट गई हैं। उनके लिए सात मार्च को टीकाकरण अभियान चलाया जाना है। इसके लिए 24 फरवरी से घर–घर सर्वे शुरू किया गया है। 27 फरवरी तक अभियान चलेगा। बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सूची ई–गवर्नेंस पोर्टल पर अपडेट होगी। अभियान को सफल बनाने के लिए जिला कार्यक्रम विभाग,जिला पंचायत राज विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग आपस में सहयोग करेंगे। आंगनबाड़ी कार्यकत्री,नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के घर–घर जाकर छूटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को चिन्हित करेंगी। उनका अभियान के दौरान टीकाकरण होगा। सीएमओ डॉ.नेपाल सिंह के मुताबिक,अभियान की मॉनीटरिंग के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी समिति को एक्टिव किया गया है।

आग का गोला बनी स्विफ्ट डिजायर कार, बाल बाल बचे कार सवार

सिधौली,सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र के मिश्रापुर ब्लोइया गांव के निकट एक स्विफ्ट डिजायर कार में अचानक आग लग गयी। कार सवार लोगों ने कार से निकल कर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची दमकल कर्मियों ने आग बुझाई लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जल चुकी थी। जानकारी के अनुसार अमित कुमार निवासी दुघरिया थाना सकरन जिला सीतापुर मिश्रापुर के ग्राम प्रधान राजेश के घर आये थे। बताते है कि अमित व राजेश प्रधान का भाई किसी कार्य से कहीं जा रहे थे। तभी अचानक स्विफ्ट डिजायर में आग लग गयी। आनन फानन में दोनों कार सवार कार से निकल भागे और जान बचाई। तब तक कार धूं– धूं कर जलने लगी और आग की लपटें आसमान छूने लगी। सूचना पर पुलिस व दमकल विभाग के लोग पहुंचे दमकल विभाग प्रभारी विजय बहादुर फायरमैन गया बख्श सिंह, प्रदीप व शुभम ने पहुँच कर आग पर काबू पाया।

फार्मेट–सी–1

(अभ्यर्थियो के लिए समाचार–पत्रों,टी.वी. में प्रकाशन हेतु)
आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) से. 536 (पब्लिक इंटेरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यार्थी का नाम एवं पता– चौधरी रवीन्द्र प्रताप, 302 शोहरतगढ,जिला–सिद्धार्थनगर
राजनैतिक दल का नाम – भारतीय राष्ट्रीय काग्रेंस
निर्वाचन का नाम – 302 विधानसभा शोहरतगढ
राज्य शासित क्षेत्र का नाम – उत्तर प्रदेश

मैं **चौधरी रवीन्द्र प्रताप** निर्वाचन के लिए अभ्यार्थी सार्वजनिक सूचना हेतु अपने अपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरण की घोषणा करता/करती हूँ।

क्र.सं.	लम्बित आपराधिक मामले			आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण	
	न्यायालय का नाम	मामलों की सं एवं मामले की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ए) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (सी) की तारीख	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित विवरण दण्ड का
1	2	3	4	5	6
1	**मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सिद्धार्थनगर**		**452,323, 504,506,**iPC	लागू नही	लागू नही

राज्यसभा के निर्वाचन या विधान सभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन के मामले में निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।
टिप्पणी : (1) अलग–अलग पंक्तियों में प्रत्येक मामले के लिए अलग–अलग विवरण दें।
(2) समाचार पत्रों में विषयवस्तु कम से कम 12 के फोन्ट आकार में प्रकाशित की जानी चाहिए।

फार्मेट–सी–1

(अभ्यर्थियो के लिए समाचार–पत्रों,टी.वी. में प्रकाशन हेतु)
आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) से. 536 (पब्लिक इंटेरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यार्थी का नाम एवं पता– नवीन पुत्र रामराज ग्राम–कुरहवा,पो0–मर्सेचा, जिला–सिद्धार्थनगर
राजनैतिक दल का नाम –समाजवादी पार्टी
निर्वाचन का नाम – 308 विधानसभा बांसी
राज्य शासित क्षेत्र का नाम – उत्तर प्रदेश

मैं **नवीन** निर्वाचन के लिए अभ्यार्थी सार्वजनिक सूचना हेतु अपने अपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरण की घोषणा करता/करती हूँ।

क्र.सं.	लम्बित आपराधिक मामले			आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण	
	न्यायालय का नाम	मामलों की सं एवं मामले की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ए) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (सी) की तारीख	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित विवरण दण्ड का
1	2	3	4	5	6
1	**J.M बांसी**	**(लम्बित)**		शून्य	शून्य
	J.M बांसी	696/19	**506 iPC**	शून्य	शून्य
		697/19	**406,420,504,iPC**	शून्य	शून्य
		695/19	**406,420,504,506iPC**	शून्य	शून्य

राज्यसभा के निर्वाचन या विधान सभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन के मामले में निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।
टिप्पणी : (1) अलग–अलग पंक्तियों में प्रत्येक मामले के लिए अलग–अलग विवरण दें।
(2) समाचार पत्रों में विषयवस्तु कम से कम 12 के फोन्ट आकार में प्रकाशित की जानी चाहिए।

कई समस्याओं को दूर करने में कारगर है बैंगन, याद्दाश्त बढ़ाने के साथ कम करता है वजन

बैंगन शब्द को सुनते ही कुछ लोगों का मुँह कड़वाहट से भर जाता है। उन्हें इस शब्द को सुनते ही कैसलेपन की बू आने लगती है। सब्जियों में शामिल बैंगन खाया तो जाता है लेकिन बहुतायत में इसका प्रयोग नहीं होता है। जो लोग इसे एक–दो बार खा लेते हैं वे इसके फायदों को देखते हुए इसके दीवाने हो जाते हैं। हालांकि कुछ लोग बैंगन को बे–गुण कहते हैं। कुछ लोग इसे खाना पसंद नहीं करते। हर मौसम की एक खासियत होती है। इस खासियत को और भी बढ़ा देती हैं उस मौसम में आने वाली सब्जियाँ और फल। कहते हैं मौसमी फल और सब्जियों का सेवन जरूर करना चाहिए। इनसे सेहत को कई लाभ होते हैं। इनमें वजन कम करने से लेकर शरीर में पानी के स्तर को बनाए रखने तक कई फायदे छिपे होते हैं। मौसमी सब्जियों में एक तरफ जहाँ इन दिनों कडकी शामिल हुई है वहीं दूसरी ओर बैंगन भी बहुतायत से मण्डियों में उपलब्ध है। आपको यकीन हो या ना हो बैंगन भी ऐसी ही एक सब्जी है जो पोषक तत्वों और ढेर सारे फायदों से भरपूर होती है। आइए डालते हैं एक नजर बैंगन को खाने से होने वाले फायदों परकृ

पर्याप्त पोषक तत्व

बैंगन में भरपूर मात्रा में पोषक तत्त्वों का मिश्रण होता है। बैंगन में अच्छी सेहत के लिए जरूरी एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन्स पर्याप्त मात्रा में मौजूद होते हैं।

समस्याओं को दूर करने में कारगरः सूजन, जलन, गठिया, गैस जैसी समस्याओं में भी बैंगन काफी लाभदायक साबित होता है। इसमें पोटेशियम व मैग्नीशियम की अधिकता होती है, जिसकी वजह से बैंगन का सेवन कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मदद करता है।

वजन कम करने में मदद

बैंगन में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है और कैलोरी भी कम होती है। यही वजह है कि वजन कम करने के दौरान अपनी डाइट में आप बैंगन को बेझिझक शामिल कर सकते हैं। ब्रेन फंक्शन में अहम भूमिकाः बैंगन में फाइटोन्यूट्रीएंट्स नामक पोषक तत्त्व होता है जो मानव मस्तिष्क में मेमोरी फंक्शन को बेहतर बनाने का काम करता है। इसके सेवन से एक तरफ जहाँ मनुष्य की याद्दाश्त में वृद्धि होती है वहीं दूसरी ओर बैंगन ब्रेन ट्यूमर के खतरे से बचाने में भी अहम भूमिका निभाता है।

बैंगन के पत्तेः हाल ही में बैंगन पर हुए एक शोध से इस बात की जानकारी प्राप्त हुई कि बैंगन जितने ही फायदों से भरपूर होते हैं बैंगन के पत्ते। इसके पत्ते किडनी के लिए डिटॉक्सिफायर का काम करते हैं। 5 से 6 पत्तों को उबाल कर उसका पानी छानकर दिन में एक–दो घूंट पीने से किडनी की समस्या में आराम मिलता है।

प्रभास के राजा डीलक्स में महनीन कौर पीरजादा आ सकती है नजर!!

प्रभास की फिल्म राधे श्याम का काफी समय से इतंजार किया जा रहा है। लेकिन इस बीच उनकी और भी खबरों पर अपडेट्स आना चालू हो गई हैं। प्रभास अब एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म राजा डीलक्स में नजर आएंगे।

लेटेस्ट अपडेट की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म

में महरीन कौर पीरजादा नजर आ सकती हैं। हालांकि मेकर्स और पीरजादा के बीच शुरुआती दौर की बातचीत चल रही है। अगर बात बन जाती है तो प्रभास महरीन के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। ये भी कहा जा रहा है कि प्रभास फिल्म में एक नहीं बल्कि तीन हीरोइनों के साथ रोमांस करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक जल्द ही फिल्म की स्टारकास्ट तय कर ली जाएगी और मेकर्स फिल्म का ऑफिशियल ऐलान करेंगे। बात करें महरीन की तो वो मांची रोजुलोचाई नाम की फिल्म में नजर आई थीं। इसके अलावा अभी वो एफ3 नाम की एक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी।

वहीं प्रभास के खाते में इस वक्त कई बड़ी फिल्मे हैं। वो आदिपुरुष में दिखाई देंगे जिसमें उनके साथ सैफ अली खान और कृति सेनन होंगी। इसके अलावा उनकी फिल्म सालार भी लाइन मे है जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही उनकी फिल्म स्प्रिट (स्श्चद्बह्मद्बह्तल) का भी ऐलान हुआ था। अब प्रभास को राजा डीलक्स में कॉमेडी में देखना काफी दिलचस्प होगा। जबकि करीब एक दशक बाद राधे श्याम में प्रभास रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ पूजा हेगड़े लीड रोल मे हैं। ये फिल्म 11 मार्च 2022 को रिलीज होगी।

दृश्यम 2 में अजय देवगन और तब्बू के साथ दिखेंगे अक्षय खन्ना, रोमांचक होगा मुकाबला

अजय देवगन की 2015 में आई हिन्दी फिल्म दृश्यम ने गजब का रोमांच पैदा किया था। समीक्षकों के साथ–साथ दर्शकों ने भी इस फिल्म को सराहा था। यह 2013 में रिलीज हुई मलयालम फिल्म की हिन्दी रीमेक थी। अब काफी समय से दृश्यम 2 को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। इसमें अजय देवगन और तब्बू फिर नजर आएंगे। अब खबर है कि दृश्यम 2 में अभिनेता अक्षय खन्ना की एंट्री हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, दृश्यम 2 में अजय और तब्बू के साथ अभिनेता अक्षय भी नजर आएंगे। खबरों की मानें तो कहानी के आगे बढने के साथ ही अक्षय के कैरेक्टर की एंट्री होगी। एक सूत्र ने कहा, ड्रामा, साजिश और एक्शन के अलावा अभिषेक पाठक और दृश्यम 2 के लेखकों ने एक नया कैरेक्टर (अक्षय द्वारा अभिनीत) खोज निकाला है, जो दृश्यम में नहीं है। अभिषेक दृश्यम 2 के निर्देशन की कमान संभालेंगे।

खबरों की मानें तो अक्षय एक पुलिस वाले की भूमिका में दिखेंगे। उन्हें तब्बू का करीबी सहयोगी के रूप में देखा जाएगा, जो जांच में उनकी सहायता करते हैं। कहा जाता है कि अक्षय का कैरेक्टर एक सख्त, स्मार्ट, समझदार और तेजतर्रार पुलिस वाले की है। वह अजय पर अपना शिकंजा कसने की कोशिश करते हुए नजर आएंगे। ऐसे में अजय और अक्षय के बीच का टकराव देखना रोचक होगा। हर कोई जानता है कि अक्षय अपनी भूमिकाओं को लेकर काफी गंभीर रहते हैं। जब अभिषेक ने उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई, तो उन्हें यह पसंद आई। वह एक सहायक भूमिका नहीं, बल्कि दमदार रोल में नजर आएंगे। फिल्म में एक बार फिर अजय, विजय सलगांवकर के किरदार में होंगे और साथ में श्रिया सरन व इशिता दत्ता नजर आएंगी। अजय ने तो फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग भी पूरी कर ली है। यह अजय और अक्षय की एक साथ चौथी फिल्म होगी। दोनों कलाकार 12 साल बाद किसी फिल्म में एक साथ दिखाई देंगे। उनकी आखिरी फिल्म आक्रोश (2010) थी। अनीस बज्मी की दीवानगी और जेपी दत्ता की एलओसी में दोनों एक साथ दिखे थे।

फिल्म में एक ऐसे चौथी पास शख्स की कहानी को दिखाया गया है, जो केबल ऑपरेटर के तौर पर काम करता है। उसके परिवार में पत्नी और दो बेटियां है। एक दिन उनकी लाइफ में एक लड़का आता है, जो उनकी बेटी का एमएमएस बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगता है। वह शख्स कोई और नहीं बल्कि पुलिस अधिकारी तब्बू का बेटा है। फिल्म की कहानी और इसके किरदार आपको अंत तक बांधे रखने में सफल रहते हैं। दृश्यम 2 की कहानी दृश्यम की कहानी से छह साल आगे है। दृश्यम 2 में जॉर्जकुट्टी का परिवार एक बेहतर जीवन व्यतीत करता है। अजय इसमें एक खुशहाल बिजनेसमैन के किरदार में दिखेंगे। कहानी में मोड़ तब आता है, जब पुराने केस में यह परिवार फंस जाता है। जीतू जोसेफ के निर्देशन में बनी मलयालम फिल्म दृश्यम और दृश्यम 2 में मोहनलाल लीड रोल में थे। पिछले साल ही मलयालम फिल्म दृश्यम 2 दर्शकों के बीच आई है।

गर्मियों में जींस से महसूस होती है परेशानी, ये विकल्प बनाएंगे आपको स्टाइलिश

महिलाएं हो या पुरुष सभी अपने पहनावे में जींस को शामिल करते हैं। माना जाता है कि महिलाओं के पास पहनावे में कई ऑप्शन उपलब्ध होते हैं लेकिन उनके मुकाबले पुरुषों के पास कम ही विकल्प होते हैं। अधिकतर पुरुष जींस ही पहनना पसंद करते हैं। लेकिन जैसा कि गर्मियों की शुरूआत हो चुकी है तो लोग आरामदायक कपडे पहनना पसंद करते हैं और जींस से दूरी बनाते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए जींस की जगह पहने जाने वाले कुछ विकल्प लेकर आए हैं जो पुरुषों को स्टाइलिश बनाने का काम करेंगे। गर्मियों में पैंट्स के ऐसे कई विकल्प हैं जो मौसम और फैशन, दोनों लिहाज से आपको पसंद आएंगे। आइए डालते हैं एक नजर उन कपड़ों पर जिन्हें आप जींस के स्थान पर पहन सकते हैं और आरामदायक महसूस कर सकते हैंकृ

कार्गो पैंट्स

कार्गो पैंट्स इस सीजन में पहन सकते हैं। आपके कैजुअल लुक को और भी स्मार्ट व कूल बनाने के लिए कार्गो पैंट्स परफेक्ट हैं। किसी भी लाइट शेड के कार्गो को आप अपनी टी–शर्ट के साथ ट्राई करें, यकीनन आप भीड़ से अलग ही लगेंगे।

प्लेन पैंट्स

फॉर्मल का सबसे क्लासिक ऑप्शन है प्लेन पैंट्स। चाहे मोनोक्रोम हो या फिर प्लेटेड पैंट्स ऑफिस वेयर के लिए इससे बेहतर क्या विकल्प हो सकता है।

रिंकल फ्री पैंट्स

आजकल रिंकल फ्री पैंट्स का चलन है। ये दिखने में जितने कूल हैं पहनने में उतने ही आरामदायक, साथ ही प्रेस का झंझट भी नहीं। हाफ स्लीव्स शर्ट और रिंकल फ्री पैंट का कांबिनेशन इस सीजन में आपको बेहद कूल लुक देगा। केप्रीः वीकेंड पर आउटिंग का प्रोग्राम है तो शॉर्ट और केप्री से अच्छा क्या ऑप्शन हो सकता है। गर्मियों में इससे कूल क्या होगा।

कई परियोजनाओं को लेकर काफी व्यस्त है नागा चैतन्य

अभिनेता नागा चौतन्य, विक्रम कुमार के निर्देशन में थैंक यू नामक एक फिल्म प्रोजेक्ट पर काम करने में व्यस्त हैं। अभिनेता अपने करियर के सुनहरे दिनों का आनंद ले रहे है। सूत्रों के मुताबिक नागा चौतन्य जल्द ही एक प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं, जो एक वेब सीरीज है। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन खबर है कि चौतन्य जल्द ही प्राइम वीडियो सीरीज की शूटिंग शुरू करेंगे। वेब सीरीज के अलावा चर्चा है कि नागा चौतन्य की पांच से ज्यादा डायरेक्टर्स से बातचीत चल रही है। अभिनेत्री नंदिनी रेड्डी, जो अपनी फिल्मों आला मोडलैंडी और ओह बेबी के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने जाहिर तौर पर चौतन्य को एक कहानी सुनाई है। सूत्रों के मुताबिक नेनु शैलजा फेम किशोर तिरुमाला, श्याम सिंघा रॉय के डायरेक्टर राहुल सांकृत्यान और वेंकट प्रभु की बातचीत चौतन्य से हो रही है। उपरोक्त परियोजनाओं के अलावा निर्देशक विजय कनकमेडला ने जाहिर तौर पर लव स्टोरी के नायक के लिए एक पटकथा तैयार की है। खैर, इनमें से कौन सा प्रोजेक्ट शुरू होगा, यह अभी भी ज्ञात नहीं है। नागा चौतन्य की हालिया फिल्मों मजिली, लव स्टोरी और बंगाराजू ने उन्हें हर तरफ से प्रशंसा दिलाई।